● जयपुर, सोमवार, 11 मार्च 24 ● वर्ष 01 ● अंक 201 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपये
www.chamaktarajasthan.com | Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्या: RJ/JPC/D19/2022-23
RNI. No. RAJHIND/2011/40950

दैनिक
राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त
सच के साथ मजबूती से बढ़ाये कदम

चमकता राजस्थान

विज्ञापन के लिए : 93145 05000
जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित
अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूंदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

सुविचार

"सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।"
● स्वामी विवेकानंद

पेज @3 व्यापारी के साथ मारपीट और ऑफिस में तोड़फोड़ की घटना का...
पेज @4 मदरसा मुफीदुल इस्लाम में सादगीपूर्ण मनाया गया...
पेज @8 मुख्यमंत्री के प्रयासों से राज्य के विकास को नयी गति मिलेगी : उप मुख्यमंत्री...

कांग्रेस के दिग्गजों ने थामा भाजपा का दामन, लालचंद कटारिया, मिर्धा, राजेन्द्र यादव, खिलाड़ी लाल बैरवा, आलोक बेनीवाल सहित 1370 ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की

पंचायत से लेकर पार्लियामेंट तक देश के अंदर राज करने वाली कांग्रेस पार्टी ने जनता को हमेशा धोखा दिया: भजनलाल शर्मा

प्रदेश की सभी 25 लोकसभा सीटों पर कमल खिलाकर, इनकी विजय माला प्रधानमंत्री मोदी को पहनाएंगे: सीपी जोशी

● **जनता सेना प्रमुख भिंडर ने भी भाजपा की सदस्यता ग्रहण की, जनता सेना का भाजपा में विलय**

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी) 10 मार्च 2024। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीतियों से प्रभावित होकर उनके नेतृत्व में राष्ट्रनिर्माण के लिए कंधे से कंधा मिलाकर काम करने का संकल्प लेते हुए आज भाजपा प्रदेश कार्यालय पर विभिन्न राजनैतिक दलों से आए सांसद, पूर्व मंत्री, विधायक, प्रधान, जिला परिषद सदस्य और पंचायत समिति सदस्यों सहित 1,370 नेताओं ने भाजपा का दामन थामा। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मौजूदगी में सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पूर्व केंद्रीय मंत्री लालचंद कटारिया, पूर्व सांसद एवं पूर्व मंत्री खिलाड़ी लाल बैरवा, पूर्व मंत्री राजेन्द्र यादव, पूर्व विधायक रिछपाल मिर्धा, जनता सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष रणधीर सिंह भिंडर, दीपेन्द्र कंवर भिंडर, आलोक बेनीवाल, विजयपाल सिंह मिर्धा, रामनारायण किसान, कांग्रेस सेवादल के पूर्व अध्यक्ष सुरेश चौधरी, भीलवाड़ा से कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष रामपाल शर्मा, क्रीड़ा परिषद के उपाध्यक्ष अनिल व्यास, बॉडी बिल्डिंग में गोल्ड मेडलिस्ट प्रिया सिंह मेघवाल और कांग्रेस से लोकसभा प्रत्याशी रहे रिजू झुंझुनवाला सहित अन्य सभी लोगों को भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भाजपा का पटका पहनाकर सदस्यता ग्रहण करवाई और भाजपा परिवार में स्वागत किया।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी की रीति एवं नीति तथा नवयुग प्रवर्तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के विकास कार्यों से प्रभावित होकर आज प्रदेश के अनेक राजनेता, सेवानिवृत प्रशासनिक अधिकारी एवं सामाजिक सरोकार से जुड़े सभी लोगों का भाजपा परिवार में स्वागत करता हूं। मुझे पूर्ण विश्वास है कि हम सभी प्रदेश की सभी 25 लोकसभा सीटों पर कमल खिलाकर, इनकी विजय माला प्रधानमंत्री मोदी को पहनाएंगे और अबकी बार 400 पार की संकल्प सिद्धि में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि पिछली सरकारों के समय अंतिम समय में घोषणाओं की याद आती थी। वहीं मौजूदा भजनलाल शर्मा सरकार ने पहले दिन से संकल्प पत्र पर काम करना शुरू कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने ईआरसीपी जल समझौता और यमुना जल समझौता जैसे भागीरथी कार्य किये हैं। 500 सालों के संघर्ष के बाद प्रभु श्री राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा कर सनातन धर्म से जुड़े करोड़ों लोगों की आस्था को संबल देने का काम किया है। आज उसी का परिणाम है कि सनातन धर्म को मानने वाले सभी लोगों ने भाजपा का दामन थामा है।मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा का उद्देश्य अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति का कल्याण करना है। भाजपा परिवार में शामिल होने जा रहे सभी वरिष्ठ नेताओं का अभिनंदन करता हूं स्वागत करता हूं। मौजूदा समय में राजनैतिक पार्टियां किस उद्देश्य के साथ राजनीति में काम करती हैं, यह उन्हे जनता को बताना होगा। 2014 के बाद पीएम मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने जब काम करना शुरू किया तो आपने देखा होगा कि आजादी के समय से राज करने वाली राजनैतिक पार्टियों का हेतु ही बदल गया। पंचायत से लेकर पार्लियामेंट तक देश के अंदर राज करने वाली कांग्रेस पार्टी पर जनता ने विश्वास किया उसे चुनकर सत्ता तक पहुंचाया, लेकिन कांग्रेस ने जनता को धोखे के अलावा कुछ नहीं दिया। आजादी के बाद देश को सच्चे राष्ट्रवादी राजनैतिक दल की आवश्यकता हुई, ऐसा दल जो कि हमारे पूर्वजों जिन्होने आजादी के लिए कुर्बानी दी उनका सम्मान कर सके।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि 21 अक्टूबर 1951 में कुछ राष्ट्रवादी लोगों ने भारतीय जनसंघ नाम से एक राजनीतिक दल बनाया। 1951 में जब श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने मंत्रिमंडल से इस्तीफा देकर जनसंघ की शुरुआत की। वही जनसंघ जो कभी 10 से 12 लोगों की पार्टी हुआ करता था धीरे-धीरे अपने विचार और नियत से आगे बढ़ा और आज विश्व का सबसे बड़ा राजनैतिक दल बना। 2014 से पहले आए दिन हजारों करोड़ों रुपए के घोटाले होते थे आए दिन आतंकी घटनाएं होती थी। आज देश में एक परिवर्तन की लहर चली और भारत का डंका विश्व में बजा। कांग्रेस ने गरीब और किसानों के नाम पर वोट मांगे लेकिन उनके लिए किया क्या? वहीं हम जो काम करते हैं उसका हिसाब देते हैं हमारी सरकार 6 माह बाद राजस्थान की जनता को काम का हिसाब देगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमने ईआरसीपी और यमुना जल समझौता करके दिखाया, क्योंकि हमने संकल्प लिया था। कांग्रेस ने ईआरसीपी के नाम पर जनता को हमेशा गुमराह किया। मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकार होने के बावजूद कांग्रेस ईआरसीपी को नहीं ला पाई। हमने यमुना जल समझौता कर शेखावटी के तीन जिलों को पानी देने का काम शुरू कर दिया है। कांग्रेस के लोग ध्यान रखें स्वार्थ की राजनीति ज्यादा समय तक नहीं कर पाएंगे। हम जनता के बीच संकल्प पत्र लेकर गए हैं, वहीं हमारे केंद्र की सरकार का संकल्प पत्र देख लीजिए हमने चुनाव से पहले जो वादे किये उन्हे पूरा करने के लिए काम कर रहे हैं।

भाजपा प्रदेश सह-प्रभारी विजया राहटकर ने संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस से आए हुए सभी नेताओं का बहुत-बहुत स्वागत करती हूं। भाजपा ऐसी पार्टी है जो सबको साथ लेकर काम करती है, और इस देश का गरीब शोषित वंचित युवा महिला किसान उन सभी के लिए काम करती है। धारा 370 हो चाहे राम मंदिर निर्माण हो चाहे देश के विकास की बात हो या विश्व पटल पर स्थान दिलाने का काम हो यह सभी काम प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हुआ है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री लालचंद कटारिया ने संबोधित करते हुए कहा कि बहुत दिनों से अंतरात्मा कुठिंत थी। मैने अंतरात्मा की आवाज पर पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा परिवार में शामिल होने का निर्णय लिया है। मैं विश्वास दिलाता हूं कि मैने भाजपा की सदस्यता एक नेता की तरह नहीं एक कार्यकर्ता की तरह ग्रहण की है। राजस्थान की भौगोलिक परिस्थिति को देखेते हुए एक आम गरीब की पीड़ा पीने के पानी की है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने ईआरसीपी और यमुना जल समझौता करके इन योजनाओं को अमली जामा पहनाने का काम किया है। देश और दुनिया में भारत को एक अलग पहचान दिलाने का काम किसी ने किया है तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हैं। हम एक कार्यकर्ता के रूप में बूथ पर काम करेंगे, और जो भी नेतृत्व कहेगा उसे पूरा करने का प्रयास करेंगे।

पूर्व विधायक रिछपाल मिर्धा ने संबोधित करते हुए कहा कि कई दिनों से कांग्रेस में परेशान हो रहे थे, और परेशानी की वजह यह है कि पिछले 50 वर्ष से कांग्रेस में काम किया है। जिस समाज से मैं आता हूं उस समाज को कांग्रेस ने कुछ नहीं दिया, और आज हम जिस मंच पर खड़े हैं उसी पार्टी के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी ने हमारे समाज को 1999 में आरक्षण दिया था। हमें उनका आभार व्यक्त करना वहीं पीएम मोदी ने किसान के बेटे को उपराष्ट्रपति के पद पर बिठाया और समाज के तीन तीन गवर्नर किसी पार्टी ने बनाये तो वह भाजपा ही है। कांग्रेस गर्त में गई अब कांग्रेस में कोई नेता ही नहीं रहा है कांग्रेस में खुद के लोग ही खुद के नेताओं को गिराने का काम करते हैं। कांग्रेस अपने कार्यकर्ताओं को को तड़पता हुआ देखना चाहती है।

पूर्व सांसद खिलाड़ी लाल बैरवा ने संबोधित करते हुए कहा कि पीएम मोदी के पास विकास का विजन है। मोदी देश को आगे बढ़ने का सपना देखते हुए उन्हे पूरा करने का काम कर रहे हैं। इसलिए हमने तय किया है कि हमें भाजपा की सदस्यता ग्रहण करनी है, क्योंकि पिछली कांग्रेस सरकार के समय हमने लगातार डेढ़ साल तक सीएम गहलोत को कहा कि अनुसूचित जाति बोर्ड को संवैधानिक दर्जा दिलाने का काम करें लेकिन नहीं हुआ। भाजपा ने एक दलित परिवार से आए अर्जुनराम मेघवाल को देश का कानून मंत्री बनाने का काम किया। प्रेमचंद बैरवा को डिप्टी सीएम बनाने का काम किया। हम विश्वास दिलाते हैं कि पीएम मोदी के नेतृत्व में सभी 25 सीटों पर कमल खिलाएंगे। पूर्व मंत्री राजेंद्र यादव ने संबोधित करते हुए कहा कि हम प्रदेश नेतृत्व को विश्वास दिलाते हैं कि राजस्थान की सभी 25 लोकसभा सीटें भाजपा की झोली में होगी। भाजपा की विचारधारा के साथ हम जुड़े हैं, तो निश्चित तौर पर आने वाले समय में 400 सीटें जीतकर तीसरी बार नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनाएंगे।कार्यक्रम के दौरान मंच संचालन जॉइनिंग कमेटी के अध्यक्ष पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी ने किया। इस दौरान मंच पर केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव, डिप्टी सीएम दीया कुमारी, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, पूर्व सांसद ज्योति मिर्धा, धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष राज्य मंत्री ओंकार सिंह लखावत, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, भाजपा प्रदेश महामंत्री दामोदर अग्रवाल, जितेन्द्र गोठवाल, श्रवण सिंह बगड़ी, प्रदेश उपाध्यक्ष नाहर सिंह जोधा, विधायक कुलदीप धनकड़, बाल मुकुंदाचार्य, प्रदेश कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक, सहित अन्य भाजपा नेता मौजूद रहे।

चुनाव आयुक्त अरुण गोयल ने दिया इस्तीफा

नयी दिल्ली/एजेंसी।

लोकसभा चुनाव 2024 से पहले बड़ी खबर सामने आई है। खबर यह है कि चुनाव से कुछ हफ्ते पहले ही चुनाव आयुक्त अरुण गोयल ने इस्तीफा दे दिया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गोयल का इस्तीफा मंजूर कर लिया है। गोयल के इस्तीफे से अब पैनल में दो स्थान रिक्त हो गए हैं। गोयल पंजाब कैडर के आईएएस रिटायर अफसर हैं। उन्होंने चुनाव कार्यालय में नवंबर 2022 में पदभार संभाला था। उल्लेखनीय है अप्रैल मई में लोकसभा चुनाव होने की पूरी संभावना है। अनुमान लगाया जा रहा है कि चुनाव आयोग जल्द ही चुनाव की तारीखों का ऐलान करने वाला है।

गोयल का कार्यकाल दिसंबर 2027 तक था. कानून मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार, गोयल का इस्तीफा शनिवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने स्वीकार कर लिया जो आज से ही प्रभावित हो गया.

फिलहाल यह पता नहीं चला पाया है कि गोयल ने इस्तीफा क्यों दिया. फरवरी में अनूप पांडे की सेवानिवृत्ति और गोयल के इस्तीफे के बाद तीन सदस्यीय निर्वाचन आयोग समिति में अब केवल मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार हैं.

पहले सरकारें सिर्फ घोषणाएं करती थीं, हमने जो कहा वो करके दिखाया: पीएम मोदी

आजमगढ़/एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को आजमगढ़ जिले के मंदूरी हवाई अड्डा परिसर में 34, 700 करोड़ रुपये की 782 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया. इस अवसर पर पीएम मोदी ने कहा कि 2047 तक भारत को विकसित बनाने के लिए दौड़ रहा हूं और देश को तेज गति से दौड़ा रहा हूं. आज केवल आजमगढ़ ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए कई विकास परियोजनाओं का शुभारंभ यहां से हो रहा है. जिस आजमगढ़ को देश के पिछड़े इलाकों में गिनते थे, आज वही देश के लिए विकास का नया अध्याय लिख रहा है. आज आजमगढ़ से कई राज्यों में करीब 34 हजार करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट्स का लोकार्पण और शिलान्यास हुआ है. विपक्षियों पर तंज कसते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 2024 में भी किए जा रहे शिलान्यासों को भी कोई चुनाव के चश्मे से न देखे, ये विकास के लिए मेरी अनंत यात्रा का परिणाम है।

कैसे देखते-देखते बदलने लगा कश्मीर

अगर किसी ने फैसला ही कर लिया है कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विरोध करना नहीं छोड़ेगा तो बात अलग है, पर हाल ही में उनकी (मोदी जी) श्रीनगर यात्रा के समय जिस तरह का उमंग और उत्साह के साथ स्वागत हुआ उससे सारा देश आश्वस्त महसूस कर रहा है। एक यकीन होने लगा है कि अब कश्मीर देश की मुख्यधारा से जुड़ गया है। प्रधानमंत्री मोदी की जनसभा में उमड़ा जनसैलाब अविश्वसनीय था। सभास्थल बख्शी स्टेडियम में मोदी जी का भाषण सुनने के लिए हजारों लोगों की वक्त से बहुत पहले से ही लाइनें लग गई थीं। इनमें कश्मीरी औरतें भी भारी संख्या में थीं। याद नहीं आता कि जब किसी प्रधानमंत्री का घाटी में इतना गर्मजोशी से स्वागत किया गया हो।

इसके पहले लगभग 40 वर्ष पहले पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का लगभग ऐसा ही स्वागत हुआ था श्रीनगर में। प्रधानमंत्री की सभा की समाप्ति के बाद लोगों के चेहरों पर प्रसन्नता और आशा की मिली-जुली रेखाओं को पढ़ा जा सकता था। एक खबरिया टीवी चैनल पर स्थानीय निवासी गुलाम भट्ट कह रहे थे, ''मुझे यकीन है कि पीएम मोदी हमारी सेवाओं को नियमित कराएंगे। वह अकेले ही इसे पूरा कर सकते हैं। जम्मू-कश्मीर में अब तक सभी सरकारों ने हमसे केवल खोखले वादे किए हैं।'' रैली में इतनी बड़ी संख्या में आए लोगों की सुरक्षा के प्रबंधन में स्थानीय पुलिस सबसे आगे थी। जनता ने पुलिस द्वारा बताए गए हर सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन किया। जम्मू-कश्मीर पुलिस के उप-निरीक्षक सुलेमान खान ने कहा, ''यह पीएम मोदी की वजह से हुआ है। अब हमारी वर्दी का सम्मान है। हमने कश्मीर में वह दौर भी देखा है, जब पुलिसकर्मी पत्थरबाजों और राष्ट्र-विरोधी तत्वों के डर से अपना पहचान पत्र नहीं रखते थे। कश्मीर में यह परिवर्तन किसने संभव किया? यह मोदीजी और उनका दृढ़ संकल्प है कि कश्मीर में कानून का शासन वापस आया।''

मुझे मेरे कश्मीर में रहने वाले कई मित्रों ने बताया कि रैली के बाद लोग कश्मीर में अपने परिवार और दोस्तों के साथ रैली के बारे में जिस तरह से बातें कर रहे हैं, उससे यह स्पष्ट है कि लोग स्वेच्छा से वहां पहुंचे थे। हजारों लोग गर्व से बता रहे हैं कि उन्होंने बख्शी स्टेडियम में मोदी जी का भाषण सुना। प्रधानमंत्री मोदी ने भी इस अनुपम अवसर का भरपूर फायदा उठाया। उन्होंने जम्मू-कश्मीर को देश का मुकुट बताते हुए प्रदेश का डवलपमेंट प्लान सबके सामने रख दिया। उन्होंने कहा कि एक विकसित जम्मू-कश्मीर विकसित भारत की प्राथमिकता है। जम्मू-कश्मीर आज विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है क्योंकि वह खुलकर सांस ले रहा है। ये वो नया जम्मू कश्मीर है, जिसका इंतजार हम सभी को कई दशकों से था। इस नए जम्मू कश्मीर की आंखों में भविष्य की चमक है, इस नए जम्मू कश्मीर के इरादों में चुनौतियों को पार करने का हौसला है। अगर बात प्रधानमंत्री मोदी की रैली से हटकर करें तो कश्मीर की जनता देख रही है कि पाकिस्तान के कब्जे वाले पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में कितने बदतर हालात हैं। वहां दिन में कम से कम दसेक घंटे तक बिजली नहीं आती। वहां रोजगार नाम की कोई चीज नहीं है। सोशल मीडिया के दौर में अब कुछ भी छिपा नहीं है। कश्मीर घाटी की जनता यह भी देख रही है कि पीओके में पाकिस्तान सरकार की जन विरोधी नीतियों के खिलाफ उग्र प्रदर्शन हो रहे हैं। पिछले छह महीनों से महंगाई, अप्रत्याशित बिजली बिल और अन्य करों के विरोध में प्रदर्शन जारी है।

इतना ही नहीं, वहां पर प्रशासन के खिलाफ सविनय अवज्ञा आंदोलन शुरू हो गया है। बिजली के भारी बिलों और करों को लेकर लोगों का आंदोलन शुरू किया था। इस बीच, अब बहुत साफ है कि जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 का कोई मसला ही नहीं रहा। एक तरह से आप कह सकते हैं कि राज्य की जनता अब अनुच्छेद 370 से आगे निकल चुकी है। जैसी उम्मीद थी कि इसे हटाए जाने के बाद राज्य का सर्वांगीण विकास और रफ्तार पकड़ लेगा, अब वही हो रहा है। केंद्र सरकार जम्मू-कश्मीर में सबको विश्वास में लेकर ही आगे बढ़ना चाहती है। इसका प्रमाण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राज्य के 14 शिखर नेताओं से मिल भी चुके हैं। हालांकि अफसोस होता है कि जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 को हटाने के सवाल पर कांग्रेस का रवैया बेहद खराब रहा है। कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह कहते रहे हैं कि केंद्र में उनकी पार्टी की सरकार आएगी तो वे संविधान के अनुच्छेद 370 को दोबारा बहाल कर देंगे। देखिए, आपको कश्मीर घाटी के बदले हुए मिजाज को देखने-समझने के लिए राजधानी के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट में गोवा जाने वाली फ्लाइट के मुसाफिरों को देख लेना चाहिए। हरेक फ्लाइट में कई कश्मीरी परिवार भी यात्रा कर रहे होते हैं। श्रीनगर से गोवा की सीधे कोई उड़ान नहीं है तो ये दिल्ली से गोवा मौज-मस्ती के लिए जा रहे होते हैं। यानी जिस कश्मीर में शेष भारत से लोग पहुंचते हैं, वहां के लोग गोवा छुट्टियां मनाने के लिए जाते हैं। यह कश्मीरी गोवा जाने से पहले कुछ दिन दिल्ली में अपने रिश्तेदारों के साथ रहते हैं। यह उसके बाद गोवा जाते हैं। गोवा से वापसी के बाद भी दिल्ली में रुकते हैं। मुझे कुछ कश्मीरियों ने बताया कि उन्हें गोवा का खुला माहौल पसंद आने लगा है।

जब कश्मीर जाड़ों में ठिठुर रहा होता है तो सैकड़ों कश्मीरी गोवा का रुख कर लेते हैं। कश्मीरियों के दिल में बसने लगे हैं गोवा के बीच (समुद्र का किनारा), वहां की डिशेज और समावेशी समाज। आपको साऊथ और नॉर्थ गोवा के होटलों में हर सीजन में बहुत सारे कश्मीरी परिवार मिलेंगे। जम्मू-कश्मीर बदलता जा रहा है। वहां अब पृथकतावादी ताकतों के लिए जगह नहीं है। संविधान के दायरे में रहकर आप सरकार से जो चाहें मांग करें, यह आपका हक है। पर वहां या कहीं भी देश विरोधी ताकतों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अब देश का सिर्फ एक लक्ष्य है विकास करना। इस रास्ते में अवरोध खड़ा करने वालों को देश स्वीकार नहीं करेगा।

ऐसी राजनीतिक तस्वीर बदले तो कैसे

अवधेश कुमार

चुनाव ऐसा अवसर होता है जब आपको राजनीति के सारे नकारात्मक चरित्र हमारे सामने घनीभूत होकर उभरते हैं। हालांकि इसमें आज चार्ज का कोई कारण इसलिए नहीं होता क्योंकि इस तरह की घटनाएं राजनीति की बारंबारता का अंग बन चुके हैं। लोकसभा चुनाव के पूर्व दलों और नेताओं के व्यवहारों और वक्तव्यों पर आम लोग अब आश्चर्य भी प्रकट नहीं करते। मीडिया और राजनीतिक विश्लेषक नेताओं के पाला बदल, कल तक के राजनीतिक विरोधियों के साथ चुनावी गठबंधन पर चाहे जितना प्रश्न उठाएं या उसका किसी दृष्टि से विश्लेषण करें इससे धरातल पर ठोस गुणात्मक अंतर आएगा ऐसा नहीं लगता। ऐसा लगता है कि वर्षों से भारत में राजनीतिक सुधार यानी राजनीतिक दलों के अंदर वैचारिक, व्यवहारिक और व्यक्तित्व के परिवर्तनों को लेकर जो भी आवाज उठाई गई उसका अत्यंत कम असर हुआ है। आम आदमी पार्टी द्वारा दिल्ली, हरियाणा और गुजरात में कांग्रेस के साथ गठबंधन पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। आखिर दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप के प्रमुख अरविंद केजरीवाल जिस पार्टी और परिवार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाकर सत्ता में आए और उनको सजा दिलवाने का वायदा करते रहे उसके साथ गठबंधन करते हैं तो उस राजनीति पर प्रश्न उठेगा। किंतु क्या इसका असर भी हो सकता है? या फिर अरविंद केजरीवाल या आम आदमी पार्टी ऐसा करने के मामले में भारतीय राजनीति में एकमात्र उदाहरण है?

वास्तव में राजनीति का जब एकमात्र ध्येय येन-केन -प्रकारेण सत्ता में पहुंचना या बने रहना हो जाए तो ऐसा ही होता है। आईएनडीआईए की कल्पना आने के पूर्व तक आम आदमी पार्टी का घोषित स्टैंड था कि उसको किसी भी गठबंधन से कोई लेना- देना नहीं है। वह गठबंधन की राजनीति की आलोचना करती थी। अन्ना हजारे के अभियान के दौरान की बातों को थोड़ी देर के लिए छोड़ दीजिए क्योंकि उसे कितनी बार याद दिलाएंगे, किंतु हाल तक के अपने राजनीतिक-रणनीतिक स्टैंड से भी पार्टी बदल जाए तो फिर क्या कहा जा सकता है। जिस शराब घोटाले और ईडी कार्रवाई का दिल्ली की कांग्रेस पार्टी समर्थन कर रही थी वह अचानक न केवल इस पर खामोश हो गई है बल्कि कई टीवी डिबेट में कार्रवाइयों के लिए सरकार की आलोचना करती है।यही स्थिति भाजपा और राजग विरोधी पार्टियों की पश्चिम बंगाल के संदेशखाली जैसे जघन्य और वीभत्स अपराध के मामले में भी है। विपक्ष की किसी पार्टी के प्रमुख नेता ने संदेशखाली को लेकर तृणमूल कांग्रेस, ममता बनर्जी या वहां के पुलिस प्रशासन की आलोचना नहीं की। राहुल गांधी, अरविंद केजरीवाल, तेजस्वी यादव ,लालू यादव, राष्ट्रीय जनता दल, शरद पवार , एनसीपी उद्धव ठाकरे आदि का एक ट्वीट हमने नहीं देखा। पश्चिम बंगाल में जिस तरह की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं उससे लगता है कि धनबल और बाहुबल का प्रभाव बंगाल में घटने की बजाय ज्यादा सशक्त हुआ है। जिस तरह गिरफ्तारी के बाद

संदेशखाली का मुख्य अभियुक्त शेख शाहजहां चल रहा था, लगता था जैसे पुलिस किसी वीआईपी को सुरक्षा देकर ले जा रही हो। 55 दिनों बाद उसकी गिरफ्तारी बताती है कि अपराध, धनबल तथा एकपक्षीय भयावह सांप्रदायिक बाहुबल का गठजोड़ पश्चिम बंगाल की राजनीति का स्थायी चरित्र बन गया हो। 80 के दशक से भारतीय राजनीति का यह सबसे बड़ा मुद्दा रहा। लगातार राजनीतिक सुधार की मांग उठती रही। लगता था कि धीरे-धीरे अपराध, बाहुबल , धन बल और वोट के लिए संप्रदायिक अपराध की अनदेखी की राजनीति से अंत हो रहा है। ममता बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस वाम मोर्चा के शासन में अपराधियों, माफियाओं और सांप्रदायिक तत्वों के बोलबाला के विरुद्ध ही संघर्ष करके सत्ता तक आई किंतु उनका शासन उससे भी ज्यादा इन सारी बीमारियों का वीभत्सतम उदाहरण बन गया है। बाहुबल और धनबल का राजनीति के साथ स्पष्ट दिखता रिश्ता तथा सिद्धांतहीन, आदर्शहीन पालाबदल कई राज्यों में सामने आ रहे हैं। एक समय राजनीतिक और सत्ता शीर्ष का भ्रष्टाचार विरोधी दलों का सबसे बड़ा मुद्दा होता था। यह स्थिति पूरी तरह पलट गई है। आज भ्रष्टाचार के आरोप के विरुद्ध नेताओं और सत्ताशीर्ष पर बैठे व्यक्तियों के विरुद्ध कार्रवाई विपक्ष के लिए सबसे बड़ा मुद्दा हो गया है। इस स्थिति की पहले कल्पना नहीं थी। पहले मनीष सिसोदिया, फिर संजय सिंह और हेमंत सोरेन तथा ऐसे छोटे-बड़े नेताओं को जेल जाना पड़ा, न्यायालय उनको जमानत तक नहीं दे रहा, किंतु विरोधी राजनीति का स्वर है मानो ये सारे पाक साफ हों। न्यायालय जब तक किसी को सजा नहीं देती हम उन्हें दोषी नहीं मानते किंतु बिना आधार के इतनी बड़ी कार्रवाई नहीं होती और होती है तो शांति से न्यायिक प्रक्रिया का सामना किया जा सकता है। सच कहा जाए तो एक बीमारी के उपचार की जगह उससे बड़ी बीमारी ने हमारी राजनीति को घर कर लिया है। यह राजनीतिक सुधार की विपरीत दिशा है।

आने वाले समय में राजनीति और शीर्ष भ्रष्टाचार के विरुद्ध कार्रवाई कितनी कठिन होगी इसका अनुमान आज की स्थिति से लगाया जा सकता है। एक नेता पर कार्रवाई हुई नहीं कि वकीलों की फौज उन्हें बचाने के लिए उच्चतम न्यायालय तक पहुंच जाती है। बड़े-बड़े लोग पक्ष में खड़े हो जा रहे हैं। यह राजनीति की ऐसी प्रवृत्ति है जिसका अंत तभी संभव है जब राजनीतिक सुधार इस अवस्था में पहुंच जाए जहां केवल देश और समाज की चिंता करने वाले ज्ञानी , विवेकशील और संकल्पबद्ध लोग ही चुनावी राजनीति में रहे। ऐसी स्थिति सामने नहीं दिख रही।

संघ और भाजपा का विरोध राजनीति में एक बड़ा वर्ग पहले भी करता था। इस समय यह विरोध घृणा की उस अवस्था में पहुंच गया है जहां लगता है कि दलों और नेताओं के विवेक और अविवेक में कोई अंतर नहीं बचा। इसमें कोई कितना भी भ्रष्टाचारी हो, बाहुबली हो, सांप्रदायिक हो, अगर नरेंद्र मोदी सरकार और भाजपा विरोधी है तो विपक्ष के बड़े समूह के लिए सहज स्वीकार्य। यह इस समय भारतीय राजनीति की सबसे बड़ी और जटिल चुनौती है। मजे के बाद देखिए कि इस स्थिति ने पार्टियों को अपने दूरगामी भविष्य की चिंता से भी विलग कर दिया है। उदाहरण के लिए कांग्रेस के व्यावहारिक नेताओं को आभास है कि दिल्ली, हरियाणा और गुजरात जैसे राज्य में अगर आम आदमी पार्टी आगे बढ़ी तो सबसे ज्यादा क्षति उन्हीं की होगी। बावजूद वह गठबंधन को तैयार हैं तो क्यों? यही स्थिति दूसरी पार्टियों के साथ भी है। अनेक पाला बदलने वालों के लिए भाजपा भी अपना द्वार खोली हुई है। नीतीश कुमार जैसे सिद्धांतहीन और अस्थिर व्यक्ति जब चाहते हैं भाजपा को छोड़कर चले जाते हैं और फिर वापस आ जाते हैं। वे मुख्यमंत्री भी बने रहते हैं। भाजपा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इस समय ऐसी सशक्त स्थिति में है जब वह सिद्धांतहीन और आरोपी नेताओं से अपने को काफी हद तक बचाए रख सकती है। इससे उसके चुनावी प्रदर्शन पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा। हालांकि जब तक कोई नेता विरोधी खेमे में होता है उसके विरुद्ध आवाज नहीं उठाती। जैसे ही वह भाजपा के साथ आता है, विरोधी चिल्लाने लगते हैं कि देखो-देखो जिस पर भ्रष्टाचार का आरोप था वह उनके साथ चला गया। इसलिए जनता ऐसी आलोचनाओं को गंभीरता से नहीं लेती है।

वास्तव में एक बड़े वर्ग के लिए स्थिति इतनी निराशाजनक है कि वे इन पर टिप्पणी करना भी समय नष्ट करना मानते हैं। उनके अनुसार भारतीय राजनीति की विद्रुपताओं पर जितना कुछ लिखा-बोला जा चुका है कि अलग से कोई टिप्पणी करने की आवश्यकता नहीं रहती। जो कुछ भी लिखा जाएगा उसमें प्रसंग और चेहरे नये हो सकते हैं , पर मुद्दे और विषय पुराने ही होते हैं। यह स्थिति बदलनी चाहिए। इसमें राजनीतिक दलों के साथ-साथ आम लोगों की भी भूमिका है। आम लोग भी अगर मतदान करते समय सिद्धांतहीन ,पाला बदल तथा धनबल और बाहुबल से राजनीति करने वालों का साथ और सम्मान न दें, उनके पक्ष में मतदान न करें तो प्रवृत्ति बदल सकती है। भाजपा इस समय सबसे बड़ी ही नहीं, उत्तर से दक्षिण और पूरब से पश्चिम सबसे ज्यादा लोगों के आकर्षण वाली पार्टी है। वह इस स्थिति का राजनीतिक सुधार के लिए उपयोग करके उदाहरण बने। जहां भी भाजपा की सरकार हो वहां ऐसे तत्वों के विरुद्ध कार्रवाई, पार्टी में ऐसे लोगों के लेने का निषेध तथा दूसरी पार्टी की सत्ता में ऐसे तत्वों के विरुद्ध राजनीतिक संघर्ष जैसे तीन स्तरीय व्यवहार की उम्मीद उससे की जाती है। दूसरी पार्टियां भी समझ लें कि आम लोगों के अंदर उसके ऐसे व्यवहार से असंतोष बढ़ता है तथा अनेक पार्टीयां बीच-बीच में सत्ताच्युत होतीं हैं तो इसके पीछे सिद्धांतहीन और राजनीतिक भ्रष्टाचार के कारण बिगड़ी हुई छवि की प्रमुख भूमिका रही है।

न्याय की लडायी लड़ना आसान नहीं?

डॉ. उदित राज

राहुल गांधी न्याय की लडाई लड़ रहे हैं, जो इस समाज में बहुत मुश्किल का कार्य है। हजारों वर्षों से हांसिये पर पड़े लोग न्याय न पा सके और जो भी थोड़ा हो सका वह राज्य के कल्याणकारी चरित्र एवं संविधान के कारण। राहुल गांधी चुनावी राजनीति में पहले सफल हो जाते लेकिन न्याय और सत्य को लेकर चलने से पुरानी व्यवस्था विपरीत दिशा में पूरी ताक़त से काम करती है। आर्थिक न्याय की भी लड़ाई लड़ना आसान नहीं है वर्ना रूस की क्रांति के बाद भारत में साम्यवाद सफल होता। दुनिया के और देशों में गरीबी है लेकिन इतना अन्याय नहीं है। वहाँ जन्म से नीच और गरीब नहीं माने जाते हैं लोग। भाग्यवादी सोच के कारण कभी क्रांति नहीं हुई और आगे भी संभावना नही है। जाति व्यवस्था के कारण भारतीय समाज टुकड़ों में बँटा था और आज भी यही स्थिति है। ऐसे में कोई क्रांति या व्यवस्था परिवर्तन हो नहीं सकता। इन तीन चुनौतियों से एक साथ लड़ना कोई आसान बात नही है। सांप्रदायिकता अपने आप में एक बड़ी लड़ाई है और साथ में सामाजिक एवं आर्थिक अन्याय को भी चुनौती देना बेहद कठिन कार्य है। सांप्रदायिकता को पैदा करना बेहद आसान है। झूठ और कानाफूसी से लोग मर मिटते हैं। घर जला दिये जाते हैं और न जाने क्या-क्या हो जाता है। इसमें करना क्या है बस मांस मंदिर या मस्जिद में फेंकवा देना है। सोशल मीडिया के युग में कोई भी दो लाइन धर्म और आस्था ख़तरे में है लिख देना है, फिर देखो लोग बिना बुलाये जान देने और लेने के लिए तैयार हो जाएँगे। जब ऐसी संगठित ताक़तें समाज में प्रचुर मात्रा में हों तो कितना कठिन है मुहब्बत की दुकान खोलना। इसमें लोभ और भय अर्थात पाखंड, स्वर्ग का लाभ, क़ौम ख़तरे में है जैसी बातें नहीं होती। भावनात्मक बातों के माध्यम से लोगों को गोलबंद करना बेहद आसान है।

विकास, शिक्षा, मानवता, विज्ञान आदि के लिए प्रयास के असर धीमे होते हैं और तब तक आम जनता को बहका दिया जाता है। राहुल गांधी और उनके साथियों की डगर

बड़ी कठिन है। भारत जोड़ो यात्रा कन्या कुमारी से लेकार कश्मीर तक मोहब्बत पैदा करने के लिए राहुल गांधी जी के नेतृत्व में किया, यह कितनी कठिन तपस्या थी जानना मुश्किल नहीं है। लाखों लोग चले, कितना कष्ट उठाया। राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के चुनावों के परिणाम ने प्रयास को धूमिल कर दिया। अधिकतर लोग सफलता से मापते हैं और उसके पीछे चाहे जितना अपराध, छल-कपट, झूठ और भ्रष्टाचार कारण हों। योद्धा रुकता नहीं और फिर चल पड़ता है दूसरी यात्रा पर। मणिपुर से महाराष्ट्र तक की सामाजिक एवं आर्थिक न्याय यात्रा चालू है, क्या यह आसान है?

10 साल में जितना चुनाव राहुल गाँधी जी ने हारा उतना मोदी जी के साथ हुआ होता तो मैदान छोड़कर भाग जाते और अब तक नेता न बने रहते। राहुल गांधी नेता बने रहे और धैर्य को खोया नहीं। वे बहुत पढ़े-लिखे और योग्य हैं और दुनिया के आंदोलनों को समझते हैं। गांधी जी और नेहरू जी से भी सीखा है कि वर्षों जेल में रहे फिर भी डिगे नहीं। किसी को पता नहीं था कि आज़ादी मिलेगी और फिर भी हारे नहीं। कोई भी सामान्य व्यक्ति एक दशक जेल में रहने के बाद तो आशाहीन हो जाएगा। लड़ाई लंबी है राहुल गांधी जी समझते हैं और आगे बढ़ते जा रहे हैं। 2014 के पहले भी जो सत्ता में रहे हैं उन्होंने भी लोकतंत्र के ख़िलाफ़ कुछ काम किए। विपक्ष की सरकारें गिराई और लोगों को जेल भेजा। इन सब के बावजूद लोकतंत्र के बुनियादी सिद्धांत से बंधे रहे। सांप्रदायिकता का सहारा नहीं लिया। मीडिया के ऊपर नियंत्रण नहीं रखे। यूपीए की सरकार के समय लगभग सारी मीडिया ख़िलाफ़ थी फिर भी अंकुश नहीं लगाया। क्या आज ऐसा सोच भी सकते हैं? जी टू स्पेक्ट्रम या कोयला घोटाला के आरोप लगे और रात-दिन मीडिया मनमोहन सिंह की सरकार की आलोचना करती थी और बेबुनियाद आरोप भी मढ़ा। फिर भी किसी पत्रकार को जेल नहीं भेजा और मीडिया मालिकों के प्रतिष्ठानों पर ईडी, सीबीआई और इनकम टैक्स के छापे नहीं पड़े। अन्ना हज़ारे को उकसाकर दिल्ली बुलाना और मीडिया पीछे-पीछे दौड़ती और दिखाती रही अब वे कहां जा रहे हैं, किससे मिल रहे हैं। इसी से पूरा माहौल गर्म कर दिया। क्या आज निष्पक्ष खबर दिखाने की हिम्मत किसी में है। ऐसी परिस्थिति में राहुल गांधी का संघर्ष कितना कठिन है कल्पना नहीं की जा सकती। इलेक्टोरल बांड लाकर विपक्ष के फण्ड पर रोक लगाना क्या कभी हुआ था? इंदिरा गांधी एक ताक़तवर पीएम थीं और हाई कोर्ट ने उनकी संसद सदस्यता ख़त्म कर दी, क्या आज न्यायपालिका मोदी जी के ख़िलाफ़ ऐसा सोच भी सकती है। विपक्ष को बोलने न देना और सरकारी एजेंसीज़ को पीछे लगा देना, क्या ऐसा कभी इतिहास में हुआ है?

राहुल गांधी सामाजिक न्याय की लड़ाई सच्चाई से लड़ रहे हैं। इस देश का अभिजात्य वर्ग जो अत्यंत ताक़तवर है, कितना अवरोध एवं बदनाम कर सकता है जिसकी कल्पना नहीं की जा सकती। डॉ. अंबेडकर ने कहा था कि हर नागरिक को एक वोट का अधिकार तो मिल गया लेकिन मुश्किल तब होगा जब सामाजिक एवं आर्थिक न्याय मिल सके। यह लड़ाई अधूरी है और इसे अंजाम तक पहुंचाने की ज़िम्मेदारी राहुल गांधी जी ने ले ली है तो रास्ते में भयंकर काँटों का मुक़ाबला करना ही होगा। उनके साथियों को भी सोच लेना चाहिए और अपने में बदलाव लायें जो आसान नहीं है। कांग्रेस पार्टी के अंदर भी बहुत सारे लोग इस लड़ाई से सहमत नहीं है। जो योद्धा बाहर और भीतर इन दोनों से लड़ रहे हैं, वे कितने मज़बूत इरादे वाले हैं, उसकी कल्पना नहीं की जा सकती है।

(लेखक पूर्व सांसद हैं।)

क्या रंग लाएगा चुनाव पूर्व होता ईवीएम का व्यापक विरोध?

तनवीर जाफरी

भारतीय चुनावों में ईवीएम यानी इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन के इस्तेमाल का विरोध एक बार फिर बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। आये दिन कोई न कोई राजनैतिक व सामाजिक संगठन राजधानी दिल्ली में ईवीएम विरोधी प्रदर्शन कर रहे हैं। दरअसल भारत में पहली बार प्रयोग के तौर पर ईवीएम का इस्तेमाल 1982 में केरल की पारुर विधानसभा क्षेत्र में किया गया था। बाद में 1999 के लोकसभा चुनावों में देश में ईवीएम का प्रयोग देश के कुछ सीमित निर्वाचन क्षेत्रों में किया गया। इसके पश्चात 2004 के लोकसभा चुनाव के बाद से भारत में प्रत्येक लोकसभा और राज्य विधानसभा चुनाव में मतदान की प्रक्रिया पूरी तरह से इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन द्वारा ही संपन्न करायी जाने लगी । ईवीएम का प्रयोग शुरू से ही विवादित रहा है। सच पूछिये तो भारत का प्रत्येक राजनीतिक दल व उनके अनेक बड़े नेता कभी ना कभी ईवीएम का विरोध कर चुके हैं। जब से ईवीएम का इस्तेमाल हो रहा है तब से अभी तक शायद ही कोई चुनाव ऐसा गुज़रा हो जहाँ ईवीएम को लेकर सवाल न उठे हों या संदिग्ध परिस्थितियों में संदिग्ध स्थानों से ईवीएम मशीनें न पायी गयी हों। ऐसे आरोप भी लगे हैं कि मतदाता ईवीएम के द्वारा अपना वोट तो किसी और पार्टी के उम्मीदवार को देते हैं परन्तु वह जाता किसी दूसरे उम्मीदवार के खाते में है। स्वयं भारतीय जनता पार्टी के लोगों ने यहां तक कि 2009 के आम चुनाव के बाद पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी ने भी ईवीएम पर सवाल उठाए थे। भाजपा नेता जीवील नरसिम्हा राव ने तो "लोकतंत्र ख़तरे में" शीर्षक से ईवीएम पर एक पुस्तक भी लिखी थी। इसी किताब में उन्होंने यहां तक लिखा था कि "मशीनों के साथ छेड़छाड़ हो सकती है, अतः भारत में इस्तेमाल होने वाली इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन भी इसका अपवाद नहीं है। ऐसे कई उदाहरण हैं जब एक उम्मीदवार को दिया वोट दूसरे उम्मीदवार को मिल गया है या फिर उम्मीदवारों को वह मत भी मिले हैं जो कभी डाले ही नहीं गए। "भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी भी ईवीएम पर सवाल उठा चुके हैं। परन्तु देश के बदलते राजनैतिक परिवेश में आज स्थिति यह है कि कभी इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन के इस्तेमाल का सबसे प्रबल विरोध करने वाले दल व इनके नेता इस विषय पर आज खामोश हैं। संभव है कि पूर्व में इन्होंने अपनी सुविधा-असुविधा व राजनैतिक नफे

नुकसान या फिर चुनाव परिणामों के अनुसार पहले तो ईवीएम का विरोध किया हो परन्तु चूँकि अब उन्हीं को ईवीएम से होने वाले चुनाव परिणाम प्रायः मुआफिक आते हैं लिहाज़ा शायद अब वही लोग अन्य दलों व उनके नेताओं के ईवीएम विरोध को ख़ारिज कर रहे हों?

परन्तु सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर दुनिया के कौन कौन से देश ऐसे हैं जहाँ चुनावों में ईवीएम का इस्तेमाल शुरू तो किया गया परन्तु इसे बाद में बंद कर पुनः बैलट पेपर पर चुनाव कराये जाने लगे और क्या वजह थी कि यह देश ईवीएम जैसी आधुनिक वोटिंग प्रणाली को छोड़ कर पुनः बैलट पेपर जैसी पुरानी व खर्चीली व्यवस्था पर उतर आये? ऐसे देशों में जापान प्रमुख देश है जहां 2002 में ईवीएम से वोटिंग शुरू की गई थी। वहां की सरकार को उम्मीद थी कि ईवीएम के इस्तेमाल से चुनावों में पारदर्शिता आयेगी। परन्तु ऐसानहीं हुआ। खर्चीली होने व पारदर्शी ना होने के चलते 2016-17 में जापान सरकार ने पुनः बैलट से मतदान करवाने का निर्णय लिया। इसी तरह इंग्लैंड ने भी चुनावों में ईवीएम के इस्तेमाल से परहेज़ किया। इंग्लैंड ने चुनावों में पारदर्शिता व निष्पक्षता को सुनिश्चित करने के लिये राजनीतिक चुनावों में एश्ट जैसे आधुनिक तरीकों के इस्तेमाल से खुद को दूर रखा। जनवरी 2016 में, यूके संसद ने खुलासा किया कि वैधानिक चुनावों के लिए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग शुरू करने की उसकी कोई योजना नहीं है। इसी तरह जर्मनी में तो केवल दो मतदाताओं ने जर्मन संवैधानिक न्यायालय के समक्ष इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन ईवीएम की निष्पक्षता पर सवाल उठाया था परिणाम स्वरूप जर्मन संवैधानिक न्यायालय ने वोटिंग मशीनों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया और इसके प्रयोग को असंवैधानिक करार दे दिया। इसी तरह नीदरलैंड ने भी ईवीएम के इस्तेमाल पर यह कहते हुए प्रतिबंध लगा दिया है कि उनमें पारदर्शिता की कमी है। बांग्लादेश चुनाव आयोग ने भी पिछले दिनों हुये अपने 12वें संसदीय चुनावों में ईवीएम का इस्तेमाल नहीं किया। बांग्लादेश सरकार द्वारा यह निर्णय प्रमुख विपक्षी राजनीतिक दलों द्वारा ईवीएम के विरुद्ध किये गये प्रचंड विरोध के बाद लिया गया था । आयरलैंड भी उन देशों में है जिसने ने ईवीएम के उपयोग पर तीन वर्षों तक 51 मिलियन पाउंड से अधिक खर्च करने के बावजूद ईवीएम में विश्वास और पारदर्शिता की कमी का हवाला देते हुए ईवीएम को समाप्त कर दिया और पुनः बैलट पेपर की ओर वापस आ गया। और भी कई देश इस सूची में शामिल हैं जो ईवीएम से सिर्फ इसलिये तौबा कर चुके हैं ताकि उनके देशों में चुनाव निष्पक्ष व पारदर्शी हो सकें। अब भारत में भी ईवीएम के इस्तेमाल के विरुद्ध न केवल देश के अधिकांश विपक्षी राजनैतिक दल लामबंद हैं बल्कि अनेक प्रतिष्ठित समाजसेवी, समाजसेवी संगठन व सुप्रीम कोर्ट के अनेक वरिष्ठ अधिवक्ता,तमाम कानूनविद भी ईवीएम के इस्तेमाल के विरुद्ध सड़कों पर हैं। यह और बात है कि 'गोदी मीडिया' इन ईवीएम विरोधी प्रदर्शनों की ओर तवज्जोह नहीं दे रहा है। जबकि ईवीएम का प्रबल विरोध करने वाले कई वरिष्ठ कानूनविद यहाँ तक कह रहे हैं कि वे किसी भी सूरत में 2024 के आम चुनाव ईवीएम से नहीं होने देंगे। ऐसे में यह सवाल उठना लाज़िमी है कि क्या वजह कि ईवीएम के व्यापक विरोध और विरोध के तर्कों के बावजूद सरकार इस प्रणाली से पीछा छुड़ाकर पुनः बैलट पेपर से चुनाव की व्यवस्था क्यों नहीं कर रही? ऐसे में यह देखना होगा दिलचस्प होगा कि 'मदर ऑफ डेमोक्रेसी' भारत वर्ष में चुनाव पूर्व होता ईवीएम का व्यापक विरोध आखिरकार क्या रंग लायेगा?

संक्षिप्त समाचार

अजमेर-आगरा फोर्ट 22987/88 तथा 82653/54 यशवंतपुर -जयपुर ट्रेन का ठहराव किशनगढ़ स्टेशन पर होगा प्रमहेंद्र पाटनी

चमकता राजस्थान। किशनगढ़,!(शंकर शर्मा) किशनगढ़, रेल्वे सलाहकार समिति सदस्य एवम भाजपा नेता महेंद्र पाटनी ने अवगत कराया कि भारत सरकार के रेल मंत्रालय के निर्देशानुसार रेलवे बोर्ड, दिल्ली द्वारा अजमेर-आगरा फोर्ट 22987/88 तथा 82653/54 यशवंतपुर-जयपुर का किशनगढ़ स्टेशन पर प्रयोगात्मक ठहराव के आदेश जारी किए जाने तथा विगत महीने मे कई गाड़ियों के किशनगढ़ स्टेशन पर ठहराव शुरू किये जाने से क्षेत्र के रेल यात्रियों को रेल से आवागमन मे भारी सुविधा उपलब्ध हो रही है। रेलवे सलाहकार समिति के सदस्य भाजपा नेता महेंद्र पाटनी ने बताया की लंबे अरसे से किशनगढ़ मार्बल एसोसिएशन सहित अनेक संस्थाओं व नियमित आने जाने वाले यात्रियों द्वारा आगरा फोर्ट आदि ट्रेनों के ठहराव की मांग को लेकर उनके द्वारा सलाहकार समिति की बैठकों में रखें गये रेलवे बोर्ड को प्रेषित प्रस्तवो के चलते रेल मंत्रालय व बोर्ड की अनुशंसा आने पर ठहराव के लिए रेलवे का आश्वासन पूरा होने पर भारत सरकार के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार अभिव्यक्त करते हुए क्षेत्रीय जनता गदगद है। पाटनी के अनुसार उत्तर पश्चिम रेलवे, जयपुर के महाप्रबंधक अभिताभ द्वारा रेलवे बोर्ड, दिल्ली के संयुक्त निदेशक विवेक कुमार सिंह के शनिवार को जारी आदेश अनुसार शीघ्र ही इसी सप्ताह तय की जाने तिथि को दोनों गाड़ियों का ठहराव किशनगढ़ स्टेशन पर होने वाला है।

अवैध मादक पदार्थ एवं हथियार के विरुद्ध अलवर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

- **26.13 लाख कीमत का 52 किलो 267 ग्राम गांजा, 3 देशी कट्टा व चार जिंदा कारतूस सहित दो गिरफ्तार**

चमकता राजस्थान। जयपुर (खलील कुरैशी) 10 मार्च। जिला पुलिस ने अवैध हथियार और मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई कर 26.13 लाख कीमत का 52 किलो 267 ग्राम गांजा एवं 3 देशी कट्टा व चार जिंदा कारतूस सहित दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में एक कार व एक मोटरसाइकिल भी जप्त की गई है।एसपी आनंद शर्मा ने बताया कि शनिवार 9 मार्च को एसएचओ वैशाली नगर रोशन मीणा प्रोबेशनर आईपीएस के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा अवैध हथियार के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए आरोपी अलादीन उर्फ अलाउ मेव पुत्र सूबेदीन उर्फ सुब्बा निवासी सामोला थाना अरावली विहार अलवर को गिरफ्तार कर तीन अवैध देशी कट्टे, चार जिंदा कारतूस व एक बाइक जप्त की गई है।एसपी शर्मा ने बताया कि वांछित अपराधियों की धर पकड़ एवं अवैध मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे हैं विशेष अभियान के तहत एसएचओ बड़ौदामेव बने सिंह मय टीम द्वारा शनिवार को कार सवार तस्कर खुर्शीद मेव पुत्र इलियास (40) निवासी नकलपुर थाना पुन्हाना जिला नूहू मेवात हरियाणा को गिरफ्तार कर 26.13 लाख रुपए कीमत का 52 किलो 267 ग्राम गांजा बरामद किया।

झालावाड़ पुलिस की त्वरित कार्रवाई

व्यापारी के साथ मारपीट और ऑफिस में तोड़फोड़ की घटना का खुलासा

मास्टरमाइंड हिस्ट्रीशीटर सहित पांच अभियुक्तों को 6 घंटे में पकड़ा

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी) 10 मार्च। कोतवाली थाना इलाके में सर्किट हाउस के पास एक व्यापारी और उसके साथियों के साथ गन पॉइंट पर हुई लूटपाट एवं ऑफिस में तोड़फोड़ के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर मात्र 6 घंटे के अंदर घटना के मास्टरमाइंड हिस्ट्रीशीटर सहित पांच अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक महिला भी है जो 1 साल पहले झालावाड़ में दिव्यांग व्यापारी के साथ हुई लूटपाट की घटना की मास्टरमाइंड थी।एसपी ऋचा तोमर ने बताया कि आरोपी हिस्ट्रीशीटर विक्की उर्फ कालिया पुत्र छोटेलाल निवासी नया तालाब संजय कॉलोनी और उसके साथी विजय कश्यप पुत्र राजेश निवासी ईदगाह रोड कश्यप कॉलोनी, इरफान पुत्र शरीफ मोहम्मद निवासी गागरोन झालावाड़ तथा अरशद खान पुत्र

खालिद खान निवासी कंसुआ कोटा एवं सिमरन पुत्री सिकंदर निवासी डीएसएम कॉलोनी कोटा शहर को गिरफ्तार किया गया है। एसपी तोमर ने बताया कि शनिवार को सर्किट हाउस के पास लूटपाट की सूचना पर एसएचओ कोतवाली चंद्र ज्योति शर्मा मय टीम के तुरन्त मौके पर पहुंची। पीड़ित दिनेश राठौर ने एक रिपोर्ट दी कि आज शाम करीब 7:30 बजे वह अपने साथी अमित चतुर्वेदी, प्रवीण चतुर्वेदी व यश चतुर्वेदी के साथ ऑफिस में बैठा हुआ था। एक नीले कलर की बलेनो कार से तीन-चार व्यक्ति व एक लड़की नीचे उतरी। इनमें विक्की कालिया भी था, जिसने रिवाल्वर निकालकर

- **-गिरफ्तार महिला आरोपी 1 साल पहले दिव्यांग व्यापारी के साथ हुई लूटपाट की थी मास्टरमाइंड**

पैसों की मांग की।बदमाशों ने उनके पास रखे नगद 8 हजार रुपये व फोन पे के माध्यम से 21 हजार डलवा लिए। और पैसों की मांग कर उनके साथ मारपीट कर ऑफिस में तोड़फोड़ की। इनके साथ में आई लड़की दुष्कर्म के केस में फसाने की धमकी दे रही थी। रिपोर्ट पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गईघटना की गंभीरता को देखते हुए बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चिरंजी लाल मीणा के सुपरविजन एवं एसएचओ चंद्र ज्योति के नेतृत्व में टीमें गठित की गई। गठित टीमों द्वारा एक्शन प्लान के तहत बदमाशों के बारे में जानकारी प्राप्त कर साइबर सेल की मदद से पीछा कर मास्टरमाइंड हिस्ट्रीशीटर विक्की उर्फ कालिया सहित पांच बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया।

हिस्ट्रीशीटर विक्की के विरुद्ध एक दर्जन मुकदमे डकैती, मारपीट, लूटपाट, अवैध हथियार के दर्ज हैं। मुल्जिम शराब पीने व लग्जरी लाइफ जीने के आदी है। अपने शौक पूरा करने के लिए इन्होंने बड़ी वारदात की प्लानिंग की और दिनेश राठौर को टारगेट किया। व्यापारी के बारे में पूरी जानकारी प्राप्त कर हथियारों की नोंक पर घटना को अंजाम दिया गया।इस कार्रवाई में कांस्टेबल राजेश स्वामी, श्यामलाल व चंद्रशेखर की विशेष भूमिका रही, साइबर सेल से एएसआई राजेश कुमार का सराहनीय सहयोग रहा। टीम में एसएचओ चंद्र ज्योति शर्मा के साथ एएसआई राधेश्याम, हेड कांस्टेबल विजय कुमार, कांस्टेबल सेवाराम, ईश्वर व सुरेश शामिल थे।

पुलिस मुख्यालय की सीआईडी टीम की कार्रवाई

हाईवे स्थित ढाबों पर टैंकरों से अत्यंत ज्वलनशील केमिकल चोरी के मामले में लिया एक्शन

जयपुर से पहुंची सीआईडी टीम ने ब्यावर में ढाबे 4100 लीटर कैमिकल को किया जप्त

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी) 10 मार्च। पुलिस मुख्यालय सीआईडी क्राइम ब्रांच की स्पेशल टीम ने ब्यावर जिले के बर थाना इलाके में हाईवे पर बने ढाबों पर ड्राइवर से मिली भगत कर टैंकरों से अत्यंत ज्वलनशील केमिकल की चोरी का खुलासा किया है। थाना पुलिस के सहयोग से दबिश देकर कुल 4100 लीटर केमिकल और चोरी में प्रयुक्त उपकरण जप्त किए गए हैं।एडीजी क्राइम दिनेश एमएन ने बताया कि सीआईडी क्राइम ब्रांच की स्पेशल टीम मादक पदार्थ के तस्करों एवं अवैध गतिविधियों में लिप्त अपराधियों पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। पिछले महीने भी इसी प्रकार की कार्रवाई में पुलिस मुख्यालय की टीम ने मनोहरपुर थाना इलाके में स्थित दो गोदामों में छापा मार करीब 20 हजार लीटर

अत्यंत ज्वलनशील केमिकल, वाहन एवं उपकरण जब्त कर तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया था। एडीजी एमएन ने बताया कि आईजी क्राइम प्रफुल्ल कुमार के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विद्या प्रकाश के सुपरविजन एवं इंस्पेक्टर सुभाष सिंह तंवर के नेतृत्व में गठित टीम ने व्यूह रचना बनाकर इस कार्रवाई को अंजाम दिया। हैड कांस्टेबल महेश कुमार, रविंद्र सिंह, कांस्टेबल नरेश कुमार व सुरेश कुमार को आसूचना संकलन के दौरान ब्यावर जिले के बर थाना इलाके में टैंकरों से केमिकल चोरी होने की सूचना मिली। जिसे टीम ने डवलप कर पुख्ता किया। सूचना की पुष्टि होने के बाद स्थानीय पुलिस के सहयोग से सड़क के सहारे बने एक ढाबे पर छापा मारा। पुलिस को

- **चोरी में प्रयुक्त उपकरण सहित पिकअप भी की जप्त**

देख ढाबा संचालक और उसके साथी फरार हो गये। ढाबे के पीछे बने बाड़े में रखे 20 ड्रमों से 4100 लीटर अत्यंत ज्वलनशील केमिकल व चोरी में प्रयुक्त उपकरण बरामद किये। थाना पुलिस ने केमिकल से भरे ड्रमों को ले जाने के लिए खड़ी पिकअप गाड़ी को जप्त कर लिया। ढाबा संचालक और उसके साथियों की तलाश के लिए टीम गठित की गई है।इस कार्रवाई में हेड कांस्टेबल महेश कुमार व रविंद्र सिंह, कांस्टेबल नरेश कुमार व सुरेश कुमार की विशेष भूमिका, वही इंस्पेक्टर सुभाष सिंह तंवर का कुशल नेतृत्व रहा। कार्रवाई में एसएचओ बर रेडू राम, हेड कांस्टेबल सुल्तान सिंह व भरत राम, कांस्टेबल हनुमान राम शामिल थे।

सेना के कैप्टन सूबेदार बीरबल सिंह का हुआ निधन, गुदावली में राजकीय सम्मान के साथ की गई अंत्येष्टि

- **1965 व 1971 की लड़ाई में भाग लेकर दुश्मनों के खट्टे कर चुके हैं दांत**

चमकता राजस्थान। नदबई(राजवीर सिंह) के गांव गुदावली में शनिवार को सेंना के सेवानिवृत्त कैप्टन सूबेदार बीरबल सिंह का न हो गया। सेना के ऑफिसरों ने गांव गुदावली पहुचकर कैप्टन सूबेदार बीरबल सिंह को पुष्प चक्र भेंट कर श्रद्धांजली अर्पित की। साथ ही सेना के जबानों द्वारा उनको सलामी दी गई। गांव के ही निवासी मुकेश फौजदार ने बताया कि बुजुर्गों से सुना है कि रुस में जाकर के भी उन्होंने ट्रेंनिग ली थी। और युद्ध क्षेत्र में आगे रहकर 1965 और 1971 की लड़ाई में लड़ते हुए उन्होंने पाकिस्तानियों और चीनियों के छक्के छुड़ा दिये थे। सेना में रहते हुए उन्होंने वीरता के कई मेडल हसिल किए ।कैप्टन सूबेदार बीरबल सिंह के दो बेटे व एक पुत्री है बड़ा बेटा भीम सिंह सेना में है।गांव वालों और क्षेत्रवासियों को कैप्टन बीरबल सिंह की सेना में दी गई सेवा पर गर्व है, वह ग्रामीण युवाओं को भी सेना में जाने की बात कहा करते थे। वह गांव के युवाओं को कहते थे कि देश की सेवा में जाने का अवसर अगर किसी नौजवान को मिले, तो उसको अपने आप को भाग्यशाली मानकर देश की सेवा के लिए सेना में भर्ती होना चाहिए।सैकड़ों ग्रामीणों ने अपने सेना के लाड़ले को भावभीनी श्रद्धांजली दी। सेना की जबानों की सलामी के साथ ही अश्रुपूरित नेत्रों से गर्व सहित गांव वालों ने भी उन्हें श्रद्धांजली दी।

मातृशक्ति का सशक्तिकरण और सुदृढ़ीकरण ही समाज का वास्तविक विकासः- रानी रतना कुमारी

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर सुसंस्कृत नारी- सुदृढ़ व जागरूक समाज कार्यक्रम का हुआ भव्य आयोजन

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी) ब्रह्मकुमारीज जयपुर के वैशाली नगर में स्थित प्रभु निधि सभागार में दिनांक 10/03/2024, रविवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष में कार्यक्रम आयोजित किया गया ।सभा को संबोधित करते हुए रतना कुमारी, भाजपा ज़िला उपाध्यक्ष ग्रामीण ने कहा कि मातृ शक्ति के बिना शिव अधूरे है । पति पत्नी परिवार रूपी गाड़ी के पहिये है इसलिए नारी को सशक्त बनकर परिवार को तथा समाज को संबल देने के लिए बाहर निकले।नीरू यादव (हॉकी वाली सरपंच के नाम से विख्यात) ने कहा कि महिलाओं ने अपनी क्षमता को पहचान कर समाज को आगे ले जाने में योगदान दे रही है । निर्मला रावत, सेवा जेनेवा एनजीओ की संस्थापक ने संबोधित करते हुए कहा कि महिलाएँ अपनी कुंठा को छोड़कर समाज सेवा में अपनी अग्रणी भूमिका निभा रही है । ब्रह्मकुमारीज संस्था की प्रशंसा करते हुए कहा कि महिला सशक्तिकरण की दिशा में संस्था ने अग्रिम उदाहरण प्रस्तुत किया है ।ब्रह्माकुमारीज के महिला विंग, राजस्थान संयोजक बीके लक्ष्मी दीदी ने कहा की महिला परिवार की धुरी है महिल के बिना हर आश अधूरी है नारी यदि गुरु बन जाये तो हर परिवार में संस्कारों की परम्परा शुरू हो जाएगी` गुणवान नारी ही गुणवान परिवार बना सकती है `वैशाली नगर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके चंद्रकला दीदी ने कहा की नारी ने समाज में पुरुषों के साथ कंधे से कन्धा मिलकर एक मिसाल कायम की है इसलिए आज विभिन्न पदों पर आसीन है` नारी शक्ति समाज

को दिशा दिखाने में पीछे नहीं है यह हर्ष की बात है। कार्यक्रम को जयपुर जोन की प्रभारी बीके सुषमा दीदी ने संबोधित करते हुए कहा कि नारी सब कार्यों में अग्रणी है, उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि धन पुरुष कमाता है लेकिन धन की देवी लक्ष्मी को माना जाता है। बलवान पुरुष होता है लेकिन शक्ति तो नारी को ही कहा जाता है । इसलिए नारी समाज की मुख्य कड़ी है । आज नारी अपनी रूहानियत को भूल चुकी है । अब समय आ गया है कि नारी अपनी बुराइयों को ख़त्म कर दिव्य गुणों की ज्योति जलाये । दीदी जी ने आ''ान किया की अब नारी को जीवन में राजयोग को शामिल कर जीवन को ऊँचा उठाना चाहिए साथ ही राजयोग मैडिटेशन का अभ्यास भी करवाया।

ब्रह्माकुमारीज संस्थान द्वरा समाज सेवा के क्षेत्र में विशेष कार्य करने के कारण शालिनी अग्रवाल (वरिष्ठ संपादक, राजस्थान पत्रिका), मंजु मीना (न्यूज़ एडिटर, डीडी राजस्थान), डॉ. अनीता कनोडिया, सुहासिनी जैन(मेडिकल सुपरिन्टेन्डेन्ट, सी के बिरला हॉस्पिटल) , संगीता शर्मा (डायरेक्टर, जयपुर फर्टिलिटी सेण्टर), अंशु जैन (मेडिकल डिप्टी सुपरिन्टेन्डेन्ट, नारायणा हॉस्पिटल), रीटा तनेज़ा (प्रिंसिपल, एम पी एस), वृतिका जैन(टीवी आर्टिस्ट), सुमन शर्मा एडवोकेट, मीनू वर्मा एडवोकेट, बिंदिया शर्मा एडवोकेट को मंच पर सम्मानित किया गया `कार्यक्रम प्रभारी बीके एकता बहन ने बताया की दीप प्रज्ज्वल के साथ कार्यक्रम को आयोजित किया गया तथा सभा में समाज से विभिन्न वर्गों में सुप्रसिद्द एवं विख्यात 300 से अधिक गणमान्य महिलायें उपस्थित रही ।

नॉर्थ-ईस्ट का गेटवे है सिलीगुड़ी

पीएम मोदी बोले - बंगाल से बांग्लादेश के लिए भी रेल कनेक्टिविटी शुरू

सिलीगुड़ी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को उत्तर बंगाल के सिलीगुड़ी में 4,500 करोड़ रुपये से अधिक की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का अनावरण किया। पीएम मोदी ने शनिवार को यहां सिलीगुड़ी और राधिकापुर के बीच नई रेल सेवा को वीडियो लिंक के माध्यम से हरी झंडी दिखाई।

पीएम मोदी ने रेलवे लाइन विद्युतीकरण की कई परियोजनाओं का उद्घाटन किया। जिससे उत्तरी पश्चिमी बंगाल और आसपास के क्षेत्रों के लोग लाभान्वित होंगे। प्रधानमंत्री पश्चिम बंगाल में 3100 करोड़ रुपये की दो राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का भी उद्घाटन किया। सरकारी कार्यक्रम के बाद प्रधानमंत्री सिलीगुड़ी के कवाखाली मैदान में एक जनसभा रैली को भी संबोधित किया। उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, 'उत्तर बंगाल का एक क्षेत्र हमारे उत्तरी पूर्वी राज्यों का द्वार है और यहां से पड़ोसी देशों के साथ व्यापार के रास्ते भी जाते हैं। इसलिए इन 10 वर्षों में बंगाल और विशेषकर नॉर्थ बंगाल का विकास भी हमारी सरकार की प्राथमिकता रही है...'

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आज यहां हजारों करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ है। ये विकसित बंगाल की तरफ एक और अहम कदम है। मैं इन विकास कार्यों के लिए बंगाल और नॉर्थ बंगाल के लोगों को बधाई देता हूं। यह क्षेत्र नॉर्थ-ईस्ट का गेटवे है। एक समय था जब नॉर्थ-ईस्ट की तरफ बढ़ते ही ट्रेनों की रफ्तार धीमी हो जाती थी। लेकिन हमारी सरकार का प्रयास नॉर्थ बंगाल में भी ट्रेनों की रफ्तार वैसी ही बढ़ाने का है, जैसे पूरे देश में बढ़ाया जा रहा है। अब तो नॉर्थ बंगाल से बांग्लादेश के लिए भी रेल कनेक्टिविटी शुरू हो गई है। प्रधानमंत्री ने कहा, 'एक समय था जब ट्रेनें उत्तर-पूर्व में प्रवेश करती थीं तो गति कम हो जाती थी। लेकिन हमारी सरकार का प्रयास है कि उत्तर बंगाल में भी ट्रेनों की गति को उसी तरह बढ़ाया जाए जैसे कि पूरे देश में वृद्धि की जा रही है। आजादी के बाद लंबे समय तक पूर्वी भारत के विकास पर ध्यान नहीं दिया गया...।'

न्यूज अपडेट

अगर आज श्रीराम होते तो भाजपा वाले उनके पास भी ईडीऔर सीबीआई भेज देते : सीएम केजरीवाल

नयी दिल्ली। विधानसभा में वित्तमंत्री आतिशी की ओर से राम-राज्य थीम पर दिल्ली का बजट पेश किया गया। बजट पर तीन दिन तक चर्चा चली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के संबोधन के बाद शनिवार को ध्वनिमत से बजट पास हो गया। बजट पर चर्चा के अंत में मुख्यमंत्री केजरीवाल ने अपनी बात रखी और कहा कि देश के सामने एक विकास का और एक विनाश का मॉडल है। दोनों मॉडल चुनाव जीताते हैं, लेकिन अब देश की जनता को तय करना है कि देश का विकास चाहिए या विनाश। सीएम ने कहा कि आज अगर श्रीराम होते तो बीजेपी वाले ईडी और सीबीआई उनके घर भी भेज देते। उनको भी नहीं छोड़ते। बजट भाषण में सीएम केजरीवाल ने कहा कि विनाश के मॉडल में सारी पार्टियों को खत्म कर दो, खरीद लो, गिरफ्तार कर लो, सीबीआई लगा दो, जेल भेजो, ईडी लगा दो यही चल रहा है। 30 साल से गुजरात में बीजेपी की सरकार एक स्कूल ठीक नहीं किया। उत्तराखंड, कर्नाटक, गोवा, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश की सरकार गिरा दी। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि बीजेपी आम आदमी पार्टी को क्रश करना चाहती हैं।

रघुकुल रीति सदा चलि आई, प्राण जाए पर वचन न जाई। इस चौपाई के आधार पर वित्त मंत्री आतिशी ने सीएम अरविंद केजरीवाल की तुलना भगवान राम से की और कहा कि वह अपने वचन के पक्के हैं। मुख्यमंत्री केजरीवाल ने दिल्ली के लोगों से वादा किया था कि वह लोगों को बेहतर जिंदगी देंगे। यहां के बच्चों को शानदार शिक्षा देंगे। बेहतर स्वास्थ्य सुविदाएं देंगे। विरोधियों ने उनको रोकने का प्रयास किया, लेकिन जिस तरह भगवान राम पीछे नहीं हटे, उसी तरह सीएम भी अपने वादों से पीछे नहीं हटे।

पाकिस्तान में ईशनिंदा करने वाले 22 वर्षीय स्टूडेंट को मिली मौत की सज़ा

- **वॉट्सएप पर मैसेज भेजने का लगा है आरोप**

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी अदालत ने 22 वर्षीय स्टूडेंट को मौत की सज़ा दी है। स्टूडेंट को कथित तौर पर व्हाट्सएप पर ईश निंदा वाले मैसेज भेजने के आरोप में सजा सुनाई गई है। इसमें पैगंबर मोहम्मद और उनकी पत्नियों के बारे में आपत्तिजनक तस्वीरें और वीडियो शामिल थे। वहीं उनकी पत्नियों के बारे में आपत्तिजनक बातें भी कहीं गई थी।

- **17 साल के नाबालिग को भी उम्रकैद**

इस मामले में 17 साल के नाबालिग लड़के को भी उम्रकैद की सज़ा सुनाई गई थी। उन्होंने 'मुसलमानों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के इरादे से' ईश निंदा कंटेट शेयर किए थे। कंटेट शेयर करने वाले शख्स को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है।

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दोनों ने आरोपों से इनकार किया था और उनके वकीलों ने तर्क दिया कि उन्हें झूठे मामले में फंसाया गया । शिकायतकर्ता का आरोप है कि उसे तीन अलग-अलग मोबाइल फोन नंबरों से वीडियो और तस्वीरें मिली थीं। जानकारी के लिए बता दें कि पाकिस्तान में ईश निंदा की सजा मौत है। ब्रिटिश काल के दौरान ईश निंदा के खिलाफ कानून बनाया गया था।

तमिलनाडु में कांग्रेस-डीएमके के बीच सीट बंटवारा, कमल हासन भी आए साथ

चेन्नई। लोकसभा चुनाव की तारीखें जल्द ही घोषित होने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार, तमिलनाडु में सत्तारूढ़ पार्टी द्रमुक ने कांग्रेस और कमल हासन की पार्टी मक्कल निधि मय्यम के साथ सीट-बंटवारे के समझौते को अंतिम रूप दे दिया है। सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस को 10 सीटें मिलने की संभावना है।

सूत्रों ने बताया कि सीट बंटवारे के इस समझौते की आधिकारिक घोषणा आज शाम को कांग्रेस और डीएमके की बैठक के बाद की जाएगी। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, 'हमारी टीम शाम छह बजे मुख्यमंत्री से मुलाकात करेगी। हमें कुल 10 सीटें मिल रही हैं। इस बीच कमल हासन की पार्टी को 2025 के राज्यसभा चुनाव के लिए एक सीट दी गई है। कमल हासन ने कहा कि वे देश के कल्याण के लिए डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन में शामिल हुए हैं। कमल हासन ने कहा, 'मैं चुनाव नहीं लडूंगा। मैं देश के लिए डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन में शामिल हुआ हूं, किसी पद के लिए नहीं।' चेन्नई में डीएमके मुख्यालय अन्ना अरिवलयम में मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद कमल हासन ने कहा, 'मैं गठबंधन को अपना पूरा समर्थन देता हूं।' सूत्रों ने कहा कि एमएनएम तमिलनाडु की 39 लोकसभा सीटों और पुडुचेरी की एक मात्र सीट पर गठबंधन के लिए चुनाव प्रचार करेगी। स्टालिन की पार्टी डीएमके ने भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी और सीपीआईएम को दो-दो सीटें दी हैं। साथ ही उसने इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग और कोंगु देसा मक्कल काची को एक-एक सीट दी है। विदुथलाई चिरुथिगल काची को भी दो सीटें दी गई है।

मदरसा मुफीदुल इस्लाम में सादगीपूर्ण मनाया गया महिला दिवस, दिया महिला सशक्तिकरण का संदेश

महिला अधिकारों के प्रति किया जागरूक

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी) झुंझुनूं स्थित मदरसा मुफीदुल इस्लाम में अंर्तराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। महिला दिवस पर शिक्षा अनुदेशक अकिला बानों की अध्यक्षता में अगुआई में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया।इस अवसर पर मदरसा छात्र-छात्राओं ने कविताएं, आर्टिकल आदि पेश करके अपने विचार रखे। इस मौके पर अकिला बानों ने ने कहा कि यह दिन हर वर्ष आठ मार्च को महिलाओं के सम्मान में मनाया जाता है। क्योंकि बहुत सारी महिलाएं ऐसी भी है जो घर की जिम्मेवारी के साथ-साथ और कई क्षेत्रों में भी देश की तरक्की में बहुमूल्य योगदान डाला है। उन्होंने इस विशेष दिन की सभी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह विशेष दिन अलग-अलग क्षेत्रों में काम कर रही महिलाओं का सम्मान करने व उनकी उपलब्धियों का उत्सव मनाने का दिन है। उन्होंने कहा कि समाज में महिलाओं का दर्जा बहुत ऊंचा है कि अगर एक बच्चा पढ़ाया जाता है तो एक परिवार ही पढ़ता है, लेकिन अगर एक लड़की को पढ़ाया जाता है तो उसकी पीढ़ी ही पढ़ी-लिखी होती है। उन्होंने नारी शक्ति को त्याग की मूर्ति बताया। महिला अध्यापिकाओं को महिला दिवस पर उनकी हौंसला अफजाई की। इस मौके पर अब्दुल हमीद खान, फारुक सौलंकी,अकिला बानों, फराज खान,समीरा बानों, वासिमा कुरैशी, रुखसार बानो सहित बच्चों के अभिवावक व मदरसा स्टाफ मौजूद रहे।

लोकसभा चुनाव अकेले लड़ेगी बीएसपी : मायावती

लखनऊ/एजेंसी

बहुजन समाज पार्टी सुप्रीमो मायावती ने लोकसभा चुनाव को लेकर बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने ऐलान किया है कि बसपा अकेले लोकसभा चुनाव लड़ेगी। साथ ही उन्होंने किसी तीसरे मोर्चे और किसी के साथ गठबंधन करने के अटकलों को भी खारिज कर दिया है। बता दें कि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी साथ मिलकर चुनाव लड़ रही है। मायावती के ऐलान से पहले कई तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं कि बसपा इंडिया गठबंधन के साथ जा सकती हैं।

वहीं कुछ लोग इस बात की भी चर्चा कर रहे थे कि यूपी में तीस-रा मोर्चा भी तैयार हो सकता है। हालांकि मायावती के ऐलान के बाद ये सभी अटकलें खारिज हो गई हैं। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा, 'खासकर यूपी में बीएसपी की काफी मजबूती के साथ अकेले चुनाव लड़ने के कारण विरोधी लोग काफी बैचेन लगते हैं। इसलिए आए दिन किस्म-किस्म की अफवाहें फैलाकर लोगों को गुमराह करने का प्रयास करते रहते हैं। किन्तु बहुजन समाज के हित में बीएसपी का अकेले चुनाव लड़ने का फैसला अटल है।'

बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि बीएसपी देश में लोकसभा का आम चुनाव अकेले अपने बलबूते पर पूरी तैयारी और दमदारी के साथ लड़ रही है। उन्होंने तीस-रा मोर्चा बनाने की अटकलों को अफवाह और घोर फर्जी खबर बताई है। बीते लोकसभा चुनाव में बीएसपी ने 22 फीसदी वोट हासिल की थी। 2019 के लोकसथा चुनाव में बसपा सपा के साथ मिलकर चुनाव लड़ी थी।

संत रविदास सेवा विकास समिति के तत्वाधान में सातवां आदर्श सामूहिक विवाह सम्मेलन का हुआ भव्य आयोजन

चमकता राजस्थान

नगर (राजवीर सिंह) संत रविदास सेवा विकास समिति के तत्वाधान में सातवां आदर्श सामूहिक विवाह सम्मेलन संत रविदास जयंती के उपलक्षय में 10 मार्च 2024 रविवार को रिटायर्ड व्याख्याता सरोज वर्मा की अध्यक्षता में नगर स्थित लक्ष्मी मैरिज होम में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राजस्थान सरकार गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में राजस्थान शिक्षक संघ अंबेडकर प्रदेश अध्यक्ष सत्यप्रकाश, रामस्वरूप प्रभाती, सूपनलाल सुकेती, पूरनमल सिरमोलिया, विजयराम एडवोकेट, फागुनी राम थानेदार, कवि चंद्रभान चंद्र, हुकम बैरवा, रहे। मुख्य अतिथि गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेडम ने बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर नव विवाहित जोड़ों को आशीर्वाद प्रदान कर उनको खुशहाल जीवन जीने की कामना की। मंत्री जवाहर सिंह बेडम ने कहा कि संत रविदास विकास समिति प्रदेश अध्यक्ष लाल चंद तेनगुरिया द्वारा किया किया जा रहा सामूहिक विवाह सम्मेलन को समाज में अच्छी पहल बताते हुए कहा कि समाज में फिजूल खर्चे पर लगाम लगा कर एक गरीब की बे-टी का घर बस जायेगा। और कहा बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर ने सबको समानता का अधिकार दिया है। बाबा साहब के बताए हुए सिदांतों को अपनाकर सबको अनुसरण करने की बात कही। समाज सेवी व्याखाता सरोज वर्मा के द्वारा समाज हित में किए गए कार्यों की सराहना की। आपको बता दें की यह आदर्श सातवां सामूहिक विवाह सम्मेलन में कुल 14 जोड़ों का संपन्न हुआ। जिसमे 1.जोड़े का विवाह बौद्ध रीति से संपन्न करा कर भंते जी ने बौद्ध प्रतिज्ञाओ को वर वधु को अनुसरण कराया।इस उपलक्षय में प्रतिभाशाली छात्र छात्राओं एवं भामाशाहों को रविदास की प्रतिमा भेट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम मंच संचालन हंसराम खोलिया अध्यापक ने किया।

संक्षिप्त समाचार

नागरिक अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित!

चमकता राजस्थान/जयपुर। सिविल लाइंस विधानसभा क्षेत्र में जयपुर शहर कांग्रेस अध्यक्ष आर आर तिवाड़ी,महापौर श्रीमती मुनेश गुर्जर, खानू खान बुधवाली(चैयरमेन राजस्थान वफ्फ बोर्ड),सीताराम शर्मा (नेहरु संगठन महासचिव),रामेश्वर शर्मा नेताजी(वरिष्ठ उपाध्यक्ष)हाजी उस्मान खान (उपाध्यक्ष), विक्रम सिंह पंवार, (महासचिव) ओम राजोरिया (पूर्व सचिव ढउउ),श्रीमती सुनीता शेखावत पार्षद का क्षेत्र में नागरिक अभिनंदन किया गया।

किसान परिवार के जयराम गुर्जर का ऑल इंडिया नेटबॉल प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर पर चयन

- **मनोहरपुर कस्बा क्षेत्र में छायी खूशी की लहर**
- **प्रतिभाएं किसी भी सुविधाओं की मोहताज नहीं:- जयराम गुर्जर**

चमकता राजस्थान। मनोहरपुर।(खलील कुरैशी)। जयपुर ग्रामीण के कस्बें मनोहरपुर के युवा प्रतिभावान खिलाड़ी जयराम गुर्जर का ऑल इंडिया नेटबॉल प्रतियोगिता में चयनित होने की खबर से मनोहरपुर कस्बे सहित आस-पास के क्षेत्र में खूशी की लहर दौड़ गई निश्चित रूप से राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिता में चयन होना स्थानीय युवा नवोदित खिलाडियों के लिए प्रेरणादायक है तथा खेल प्रेमियों के लिए एक बहुत ही सुखद अहसास है कहते हैं ना कि कुछ करने का हौसला हो तो हर मुकाम हासिल किया जा सकता है। जी हां ऐसे ही छात्र की हम बात कर रहे है। जो गरीबी को देखते हुए भी उससे जुनून को लेकर खेल में अपना भाग्य आजमा रहा है। कस्बे के प्रतापपुरा निवासी जयराम गुर्जर पुत्र धोलुराम गुर्जर का नेटबॉल प्रतियोगिता में नेशनल लेवल पर चयन हुआ है। जयराम गुर्जर के बड़े भाई महिपाल सिंह गुर्जर ने बताया कि अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालय (राजस्थान यूनिवर्सिटी) नेटबॉल की टीम में गुर्जर का चयन हुआ। जयराम गुर्जर भवानी निकेतन टी.टी कॉलेज के बीपीएड द्वितीय वर्ष का छात्र है। राजस्थान यूनिवर्सिटी की टीम में चयन हुआ। जयराम गुर्जर 12 से 15 मार्च के बीच आयोजित ऑल इंडिया प्रतियोगिता मे कर्नाटक में भाग लेगा।

पुलिस महानिदेशक ने रिजर्व पुलिस लाईन में नवनिर्मित इनडोर बैडमिंटन कोर्ट एवं योग केंद्र का किया उद्घाटन

- **पुलिस लाईन के बैरिक्स तथा पुलिस मैस का भी किया निरीक्षण**

चमकता राजस्थान। जयपुर। (खलील कुरैशी) पुलिस महानिदेशक उत्कल रंजन साहू ने रविवार को रिजर्व पुलिस लाईन में 57 लाख रुपये की लागत से नवनिर्मित इनडोर बैडमिंटन कोर्ट एवं योग केंद्र का फीता काटकर शुभारंभ किया है उन्होंने पुलिस लाईन के बैरिक्स तथा पुलिस मैस का भी निरीक्षण किया हैं। पुलिस महानिदेशक यू आर साहू के रिजर्व पुलिस लाईन पहुंचने पर पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसफ ने पूष्पगुच्छ एवं जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर देकर स्वागत किया हैं।

इस अवसर पर पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसफ, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त यातायात एवं प्रशासन प्रीति चन्द्रा, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त प्रथम कैलाश चंद्र विश्नोई, द्वितीय कुंवर राष्ट्रदीप, पुलिस उपायुक्त मुख्यालय मोनिका सैन, पुलिस उपायुक्त पूर्व कावेन्द्र सिंह सागर, पुलिस उपायुक्त पश्चिम अमित कुमार, पुलिस उपायुक्त उत्तर राशि डोगरा डूडी, पुलिस उपायुक्त दक्षिण दिगंत आनंद, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त मुख्यालय शिल्पा चौधरी, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त पुलिस लाईन नवाब खान सहित सभी पुलिस अधिकारी एवं पुलिसकर्मी उपस्थित थे।

राजस्थान में जाट राजनीति ने ली करवट, कोई कांग्रेस से आउट, कोई इन

बीजेपी सांसद राहुल कस्वां कांग्रेस जॉइन करेंगे

राहुल गांधी की मौजूदगी में होंगे शामिल, चूरू से लोकसभा उम्मीदवार होंगे

चमकता राजस्थान

जयपुर.(खलील कुरैशी) चूरू से बीजेपी सांसद राहुल कस्वां पार्टी छोड़ने की तैयारी में हैं। राहुल कस्वां सोमवार (11मार्च) को दिल्ली में कांग्रेस में शामिल हो सकते हैं। राहुल कस्वां के साथ कांग्रेस की बातचीत हो चुकी है, बीजेपी छोड़ने का औपचारिक ऐलान कभी भी कर सकते हैं। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक राहुल कस्वां को चूरू से लोकसभा का टिकट दिया जाएगा।दिल्ली में राहुल गांधी की मौजूदगी में राहुल कस्वां को कांग्रेस जॉइन करवाने की तैयारी है। राहुल गांधी यात्रा छोड़कर दिल्ली पहुंच गए हैं। राहुल गांधी कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में शामिल होने दिल्ली गए हैं, इसी दौरान राहुल कस्वां को जॉइन करवाने की तैयारी है। राहुल कस्वां को कांग्रेस की पहली ही सूची में टिकट दिए जाने की संभावना है।

राहुल कस्वां टिकट कटने के बाद से भाजपा से चल रहें थे नाराज

» राहुल कस्वां ने टिकट कटने के बाद सोशल मीडिया पर पोस्ट करके सवाल उठाते हुए पूछा था कि उनका दोष क्या है? इसके बाद शुक्रवार को सादुलपुर में समर्थकों को जुटाकर टिकट कटने पर सवाल उठाते हुए इशारों में पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ पर जमकर निशाना साधा था। कस्वां ने समर्थकों के सामने टिकट कटने पर सवाल उठाते हुए कहा था कि पहले लगता था कि पार्टी लोगों का समूह होती है और कोई बात होगी तो सुनी जाएगी। पहले पिता की टिकट कटवाई, इसके बाद एक व्यक्ति के कहने पर मेरी टिकट कटी गई। वो व्यक्ति नहीं, चूरू की जनता फैसला करेगी।

सड़क निर्माण को लेकर बोले नेता प्रतिपक्ष ग्रामीणों को आवागमन में जहां सहूलियत मिलेगी वहीं समय की भी बचत होगी

चमकता राजस्थान

जयपुर !(खलील कुरैशी)। नेता प्रतिपक्ष एवं अलवर ग्रामीण विधायक टीकाराम जूली ने कहा कि सड़के विकास की मुख्य धु-री होती है। सुदूर ग्रामीण इलाकों तक फैला सड़कों का जाल ही ग्रामीणों की प्रगति का परिचायक है। उन्होंने बताया कि अलवर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांव की सड़कों के निर्माण हेतु सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृति की सैद्धातिक सहमति जारी की गई है। उन्होंने बताया कि ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के नटनी का बारा से पृथ्वीपुरा वाया ईदगाह, रतनगढ़

से बिद्या की ढाणी, बीस बिघाला से गुमटीबास, मोरेडा से सालपुर, अहीरबास से हिंगोटिया का बास, खारेड़ा से भडोली, हेमू के बारे से हटया का बास, नौरंगाबाद से माले खा की ढाणी, पड़ीसल से अलपखान की ढाणी, पृथ्वीपुरा से बलदेवपुरा की ओर, राजकीय प्राथमिक विद्यालय ग्राम भजेड़ा से बावरियो की ढाणी की, एस एच 25 बुर्जा बाईपास से बल्लाना की ओर तथा गाजूकी पुलिया से गांव जटियाना की ओर 5 करोड रुपए की लागत से मिसिंग लिंक एवं नॉनपेचेबल कार्यों की स्वीकृति प्रदान की गई है। उन्होंने बताया कि जल्द ही इन गांवो को आपस में जोड़ने के लिए कार्य शुरू किया जाएगा जिससे निश्चित रूप से ग्रामीणों को आवागमन में जहां सहूलियत मिलेगी वहीं समय की भी बचत होगी जो कालांतर में क्षेत्र के विकास में नये आयाम स्थापित करेगा।

ईडी ने लालू के करीबी सुभाष यादव को किया गिरफ्तार

पटना/एजेंसी। बिहार में भ्रष्टाचार के खिलाफ ईडी की कार्रवाई लगातार जारी है। इस कड़ी में प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने राष्ट्रीय जनता दल के नेता और लालू प्रसाद यादव के बेहद करीबी कहे जाने वाले सुभाष यादव को गिरफ्तार कर लिया है। दरअसल शनिवार को ईडी की टीम ने पटना के अलग-अलग आठ ठिकानों पर सुभाष यादव से जुड़े कारोबार को लेकर छापेमारी की थी।

इस दौरान ईडी की टीम को दो करोड़ रुपए कैश समेत निवेश और जमीन से जुड़े कई अहम दस्तावेज और कागजात भी मिले थे। जानकारी के मुताबिक इसी कार्रवाई के दौरान प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने सुभाष यादव को गिरफ्तार कर लिया था। सुभाष यादव की गिरफ्तारी शनिवार की देर रात उनके पटना स्थित आवास से की गई, जिसके बाद उनको कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट में पेश करने के बाद सोमवार को उनको पटना के बेउर जेल में शिफ्ट करने की तैयारी की जा रही है।

बंगाल में अकेले ही चुनाव लड़ेगी टीएमसी

ममता बनर्जी का ऐलान, सभी 42 सीटों पर उतारे उम्मीदवार

नई दिल्ली/एजेंसी।

लोकसभा चुनाव को लेकर बड़ा अपडेट सामने आ रहा है. पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी की अध्यक्ष ममता बनर्जी ने बड़ा ऐलान कर दिया है. ममता में ऐलान किया है कि टीएमसी बंगाल में अकेले चुनाव लड़ेगी. तृणमूल कांग्रेस पश्चिम बंगाल के लिए अपने सभी 42 उम्मीदवारों की सूची आज जारी की है. ममता बनर्जी ने यह ऐलान कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड से किया है.

इस सूची में एक के बाद एक आश्चर्य है. हालांकि, उम्मीदवार की घोषणा करने के लिए ममता ने अभिषेक बनर्जी को फोन किया. इस साल की उम्मीदवार सूची में कई आश्चर्य हैं. अब तक चुनाव की घोषणा के दिन या अगले दिन तृणमूल नेता कालीघाट स्थित तृणमूल कार्यालय से उम्मीदवारों के नाम की घोषणा करते थे. लेकिन इस बार एक अपवाद है. अभूतपूर्व तरीके से ममता ने ब्रिगेड रैली के मंच से उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की है.

विशेष रूप से, तृणमूल ने राज्य के सभी 42 निर्वाचन क्षेत्रों में उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की है. इससे एक बात तो तय है कि अब राज्य में कांग्रेस के साथ गठबंधन की कोई संभावना नहीं है. राज्य में तृणमूल अकेले चुनाव लड़ने जा रही है. जैसाकि कई दिन पहले ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी ने कहा था.

दर्दनाक हादसा: ट्रक ने कार को मारी भीषण टक्कर, 6 लोगों की मौत

जौनपुर/एजेंसी।

उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में रविवार को एक ट्रक ने कार को टक्कर मार दी। इससे छह लोगों की मौत हो गई और तीन घायल हो गए। मृतकों में दो महिलाएं शामिल हैं। यह हादसा रविवार सुबह गौरा बादशाह पुलिस सर्कल के अंतर्गत प्रसाद कॉलेज के पास हुआ।

घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस रिपोर्ट के मुताबिक, कार यू-टर्न ले रही थी, तभी पीछे से आ रहे ट्रक ने उसे टक्कर मार दी। सभी मृतक बिहार के सीतामढी जिले

के रहने वाले हैं और एक शादी समारोह से लौट रहे थे। मृतकों की पहचान अनीश शर्मा, गजाधर शर्मा, जवाहर शर्मा, गौतम शर्मा, सोनम और रिंकू के रूप में की गई है। घायलों के नाम जीतू शर्मा, मीना देवी और युग शर्मा हैं। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

वाराणसी में पीएम मोदी का रोड शो... जो राम को लाए हैं हम उनको लाएंगे... की सब ओर गूंज

वाराणसी/एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी पहुंचे। पीएम यहां दो दिनों तक शहर में विकास कार्यों का शिलान्यास और उद्घाटन भी करेंगे। बीजेपी की ओर से उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी होने के बाद यह पहला मौका है जब पीएम मोदी बनारस पहुंचे हैं। पीएम मोदी के बनारस दौरे की शुरुआत रोड शो हुई है। पीएम एयरपोर्ट से ही रोड शो कर रहे हैं जो कि कपिल चौरा, लहुराबीर होते हुए काशी विश्वनाथ धाम पहुंचेगा, जहां, पीएम मोदी काशी विश्वनाथ धाम के दर्शन करेंगे और श्रृंगार आरती में शामिल होंगे।

पीएम के पहुंचने से करीब दो-तीन घंटे पहले से ही कार्यकर्ताओं ने हर-हर महादेव के जयकारे के साथ मोदी-मोदी के नारे लगाए। साथ ही काशी विश्वनाथ धाम के गेट नंबर चार पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। लोगों ने पीएम की तस्वीर वाले पोस्टर के साथ महिलाओं ने जो राम को लाए हैं, हम उनको लाएंगे गीत भी गाए। इस दौरान काशी वासियों में गजब का उत्साह देखने को मिला। शनिवार को प्रधानमंत्री मोदी ने चार राज्यों का दौरा किया। पीएम मोदी पहले अरुणाचल, असम, पश्चिम बंगाल को उत्तर-पूर्वी जिला सिलीगुड़ी और अब अपने संसदीय क्षेत्र काशी पहुंच चुके हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पीएम मोदी काशी को बड़ी सौगात दे सकते हैं।

कोटा के मोहम्मद शोएब खान को इंडियन आर्मी में लेफ्टिनेंट पद पर कमांड मिला

उस देश की सरहदों को कोई नहीं सकता जिस देश की निगहेबान हैं युवा शक्ति, राष्ट्र सेवा सर्वोपरी : लेफ्टिनेंट शोएब खान

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी) कोटा निवासी शोएब खान का इंडियन आर्मी में चयन होकर उनका प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद उन्हें,इंडियन आर्मी में लेफ्टिनेंट पद पर कमांड देकर पासिंग आउट किया, इस अवसर पर चेन्नई में आयोजित समारोह के मुख्य अतिथि एयर चीफ मार्शल विवेक राम चौधरी ने उन्हें कमांड दिया शोएब खान कोटा के ही मूल है उनके पिता शाकिर हुसैन कोटा में ही वरिष्ठ वकील है,और कोटा में ही वकालत कर रहे हैं, शोएब खान का एस एस सी टेक्निकल एन्ट्री कोर्स 117 में चयन हुआ था, उन्होंने चेन्नई में,चयनित होने के बाद 49 सप्ताह का विशेष प्रशिक्षण प्राप्त किया राजस्थान कोटा के शोएब खान अकेले लेफ्टिनेंट चयनित हैं, उन्हें अब वर्दी देकर, कर्तव्यों की पालना में कार्यभार संभलाया गया है शोएब खान के उक्त लेफ्टिनेंट पद कमांड चयन पर, उनके पिता एडवोकेट शाकिर हुसैन परिवार के सदस्यों के अलावा कोटा अभिभाषक परिषद के पूर्व अध्यक्ष दीपक मित्तल भी आशीर्वाद देने पहुंचे थे, शोएब खान के चयन से कोटा के अभिभाषकों में भीखुशी की लहर है कोटा अभिभाषक परिषद के पूर्व अध्यक्ष प्रमोद शर्मा, पूर्व अध्यक्ष रघु नंदन गौतम, पूर्व महासचिव रामबाबू मालव बार कौंसिल ऑफ राजस्थान अनुशासन समिति के सहवृत चेयरमेन हरीश शर्मा, लोक अभियोजक राजेश शर्मा अपर लोक अभियोजक अख्तर खान अकेला, राम गोपाल चतुर्वेदी, सहित सभी वकील साथियों,समाज सेवियों ने उन्हें मुबारकबाद दी है।

आदित्य धर बनाएंगे नई एक्शन थ्रिलर फिल्म, रणवीर सिंह से मिलाया है हाथ

फिल्म 'उड़ीः द सर्जिकल स्ट्राइक' के डायरेक्टर आदित्य धर कुछ खास बनाने की योजना बना रहे हैं। ऐसे में उनकी पहली चॉइस कोई एक्शन थ्रिलर फिल्म बनाने की है। रिपोर्ट्स की मानें, तो इस फिल्म के लिए उन्हें हीरो मिल गया है। अब देखना यह बाकी है कि इस हीरो के साथ मिलकर आदित्य की फिल्म दर्शकों के लिए क्या नया लेकर आती है।

रणवीर दिखेंगे नए अवतार में

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें, तो आदित्य धर की इस एक्शन थ्रिलर में रणवीर सिंह मुख्य किरदार निभाने वाले हैं। इसे लेकर आदित्य और रणवीर के बीच बातचीत चल रही है। इस फिल्म की पृष्ठभूमि भारतीय खुफिया एजेंसियों पर आधारित होगी। कहा जा रहा है कि फिल्म में रणवीर का एकदम अलग अवतार नजर आएगा। इस फिल्म पर साथ काम करने के सिलसिले में रणवीर और आदित्य की चार-पांच बार मुलाकात भी हो चुकी है। ये मुलाकातें पिछले 3 हफ्तों में हुई हैं। बस फिल्म साइन करने को लेकर कागजी कार्रवाई की जानी बाकी है।

रणवीर को पसंद आई स्क्रिप्ट

ऐसा लगता है कि रणवीर भी पिछले कई दिनों से एक अच्छी फिल्म हाथ लगने का इंतजार कर रहे थे। ऐसे में जब यह प्रस्ताव उन्हें मिला, तो उन्होंने तुरंत हां कह दिया। रिपोर्ट्स की मानें, तो आदित्य के कहने पर उन्होंने एक बार में हां कह दिया। पहली मीटिंग में आदित्य ने उन्हें फिल्म की सारी कहानी बता दी थी, जिसे सुनकर रणवीर को यह बहुत पसंद आई। रणवीर ने तो अपनी टीम को आदित्य की इस फिल्म के लिए अपनी तारीखें बुक करने को भी कह दिया है।

आगे खिसकेंगी रणवीर की दूसरी फिल्में!

रणवीर आदित्य की इस फिल्म पर आगामी मई से काम शुरू कर पाएंगे। ऐसे में रणवीर की फिल्म 'डॉन 3' की शूटिंग आगे खिसक सकती है। ऐसा हुआ, तो वह इसे अगस्त 2024 तक ही शुरू कर पाएंगे। इसके बाद अगले साल वह शक्तिमान की शूटिंग भी शुरू करेंगे। गौरतलब है कि रणवीर सिंह की पिछली फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी थी, जिसमें वह आलिया भट्ट के साथ नजर आए थे। उनकी अगली फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी के निर्देशन में बन रही सिंघम अगेन है।

मैं खुद को पॉजिटिव रखने पर विश्वास करती हूं

रसिका दुग्गल ने अपनी एक्टिंग और प्रतिभा से फिल्म इंडस्ट्री में एक अलग मुकाम हासिल किया है। उन्होंने फिल्मों और ओटीटी दोनों ही प्लेटफॉर्म पर कमाल का काम किया है। रसिका को मिर्जापुर के बीना त्रिपाठी के किरदार के लिए खूब प्रशंसा मिली। रसिका ने हामिद, ह्यूमरसली योर्स, मंटो, किस्सा-किस्सा, दिल्ली क्राइम जैसे प्रोजेक्ट्स में भी बेहतरीन काम किया है। रोल चाहे कॉमिक हो या सीरियस, रसिका हमेशा खरी उतरी हैं।

रसिका ने कहा- हर वक्त आप कुछ बेहतर चाहते हैं। ये चाह भी बहुत जरूरी है। जिंदगी का वसूल है कि हम जिस समय जो चाहते हैं, वो नहीं मिलता है। एक गैप हमेशा रहता है। आप पर निर्भर करता है कि आप उस गैप को कैसे देखते हैं। हम सब काफी मीटिंग और ऑडिशन दिया करते थे। कई दफा लोग बहुत इज्जत देते थे और कई बार लोग दोबारा मिलते ही नहीं थे। ऐसा भी होता था कि 3 घंटे तक हम अंधेरी के श्रीजी रेस्टोरेंट के बाहर लाइन लगा कर खड़े रहते थे। हां, कई बार मायूसी भी होती थी। लेकिन उस समय खुद को यही याद दिलाती थी कि मैं अकेली नहीं हूं। मुझे याद है कि एक फिल्म के लिए मैंने काफी कोशिश की थी। लेकिन मुझे वो फिल्म नहीं मिली थी। उस दौरान मैं काफी मायूस हो गई थी। हालांकि मेरी दोस्त एडिटर थी, वो भी काफी परेशान थी। हम दोनों एक-दूसरे को चीयर अप किया करते थे।

रियल लाइफ में मैं बहुत इमोशनल हूं

रसिका ने अपना इमोशनल साइड बताते हुए कहा- मैं फिल्में देखकर रोने लगती हूं। मैं उस तरह की ऑडियंस हूं जो फिल्में देखकर बहुत हंसती है, या बहुत रोती है। सच कहूं तो स्ट्रगल के समय मैं बहुत रोई हूं। मुझे लगता है एक्स्प्रेसिव होना बहुत जरूरी भी है। मैं मानती हूं- कोई भी फीलिंग हो, उसे पूरी तरह से महसूस करना और जाहिर करना अच्छा होता है।

मझे ऑडिशन देने में कोई प्रॉब्लेम नहीं है

रसिका ने थोड़ा टीवी भी किया है। उन्होंने यशराज का एक प्रोजेक्ट किया था, जिसमें उनके साथ पंकज त्रिपाठी थे। रसिका से ओटीटी के बारे में भी बात हुई। उन्होंने कहा- हालांकि जब ओटीटी आया और मिर्जापुर रिलीज हुई, तो मुझे उम्मीद नहीं थी कि इस कदर मुझे इस रोल के लिए तारीफ मिलेगी। रसिका ने ऑडिशन की अहमियत बताई। उन्होंने कहा- एक डायरेक्टर के लिए ये जानना बहुत जरूरी होता है कि एक्टर मेरे किरदार पर फिट हो पा रहा है या नहीं। एक्टर-डायरेक्टर के लिए ऑडिशन अच्छा रहता है।

मैं दिल्ली क्राइम के किरदार में खुद को देखती हूं

रसिका ने अपने किरदारों को निभाने के बारे में कहा- आप अपनी उतनी ही छाप छोड़ सकते हैं, जितना स्क्रिप्ट में आपका किरदार लिखा गया हो। फिर चाहे मैं मिर्जापुर की बात करूं या फिर दिल्ली क्राइम की। दिल्ली क्राइम की नीति सिंह मेरे दिल के बहुत करीब है। मैं खुद को उस किरदार में देखती हूं। रसिका ने किसी कॉमेडी फिल्म में लीड रोल करने की ख्वाहिश भी जताई। रसिका को हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की सबसे अच्छी चीज ये लगती है कि यहां सबके लिए काम है। उन्होंने कहा- हमारे देश में इतने बड़े लेवल पर फिल्में बनती हैं। कितने ऐसे भी देश हैं, जहां फिल्में बनती ही नहीं हैं। मुझे एक्सपेरिमेंट करना बहुत अच्छा लगता है। ओटीटी के आने से राइटिंग को वो अहमियत मिली, जो कहीं खो गई थी।

महाशिवरात्रि पर तमन्ना भाटिया ने साझा किया ओडेला 2 का फर्स्ट लुक

महाशिवरात्रि और महिला दिवस के अवसर पर अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने अपनी आगामी क्राइम थ्रिलर फिल्म ओडेला 2 का फर्स्ट लुक फैंस के साथ साझा किया है। इसी महीने से अभिनेत्री ने फिल्म की शूटिंग शुरू की है।

1 मार्च को तमन्ना भाटिया ने अपनी इस नई फिल्म की शूटिंग शुरू की। इसकी जानकारी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए साझा की गई। ओडेला 2, क्राइम-थ्रिलर ओडेला रेलवे स्टेशन का सीक्वल है, जो 2022 में रिलीज हुई थी। ओडेला 2 कई भाषाओं में रिलीज होगी। तमन्ना ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर साझा किया है। इसमें वह हाथ में डमरू, मस्तक पर तिलक लगाए महादेव की भक्ति में लीन दिख रही हैं। इसके साथ तमन्ना ने कैप्शन लिखा है, मुझे महा शिवरात्रि के इस शुभ दिन पर अपनी फिल्म के फर्स्ट लुक पोस्टर की झलक साझा करते हुए बेहद खुशी हो रही है। हर हर महादेव! शुभ महा शिवरात्रि। अभिनेत्री की आगामी फिल्म की पहली झलक देख यूजर्स जमकर प्रतिक्रिया दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, हर हर महादेव! आपको नई फिल्म के लिए ढेरों बधाई। एक अन्य यूजर ने लिखा, पहली झलक काफी दमदार है। फिल्म और भी दमदार होगी, इंतजार है। एक यूजर ने लिखा, शानदर लुक! जबर्दस्त फिल्म।

नेपोटिज्म पर खुलकर बोलीं श्रिया सरन

बॉलीवुड में कई कलाकार पहले भी नेपोटिज्म पर अपनी बात रख चुके हैं। अब एक्ट्रेस श्रिया सरन ने अपनी बात रखी है। उन्होंने कहा कि बॉलीवुड स्टार शाहरुख खान भी जब इंडस्ट्री में आए थे तो एक आउटसाइडर थे। इनसाइडर-आउटसाइडर बहस के बारे में बात करते हुए श्रिया ने कहा, एक समय हर कोई आउटसाइडर था। शाहरुख खान भी एक आउटसाइडर थे जब उन्होंने इंडस्ट्री में प्रवेश किया था। चीजें अब काफी बदल रही हैं और यह तब तक बदलती रहेंगी जब तक इस पर बहस जारी रहेगी। एक्ट्रेस ने सुझाव देते हुए कहा कि वास्तव में स्क्रीन टेस्ट पर काम करने की जरूरत है। प्रत्येक प्रोडक्शन में स्क्रीन परीक्षण का एक आसान और सरल तरीका होना चाहिए, ताकि यह सभी लोगों के लिए कई दरवाजे खोले। श्रिया अगली बार शोटाइम में दिखाई देंगी, जिसमें इमरान हाशमी, महिमा मकवाना के साथ मौनी रॉय, राजीव खंडेलवाल, विशाल वशिष्ठ, नीरज माधव, विजय राज और नसीरुद्दीन शाह भी हैं।

5 साल बाद टीवी पर कमबैक को लेकर उत्साहित हैं दीपिका सिंह

एक्ट्रेस दीपिका सिंह ने हाल ही में सीरियल मंगल लक्ष्मी से टेलीविजन पर अपना कमबैक किया। शो में दीपिका एक मजबूत लेकिन रिजर्व्ड होममेकर के किरदार में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री की मानें तो ये किरदार उनके द्वारा निभाए गए अब तक के किरदारों से काफी अलग है।

ये किरदार मुझे एक बेहतर इंसान बनने में मदद कर रहा है

बातचीत के दौरान, दीपिका कहती हैं, मैं चैनल को धन्यवाद करना चाहूंगी कि उन्होंने मुझ पर इस शो के लिए विश्वास किया। मैंने अब तक जो भी काम किया, उससे ये बहुत ही अलग है। अब तक मैंने स्क्रीन पर एक स्ट्रॉन्ग वीमेन के रोल निभाए हैं। इस शो में भी मेरा किरदार अपने तरीके से स्ट्रॉन्ग है। वह अपनी फैमिली की बैकबोन है। लेकिन, वह कभी अपने किए काम के क्रेडिट की डिमांड नहीं करती। मेरा ये किरदार पूरी तरह से सेल्फलेस है। वैसे, इस किरदार के लिए मैंने अपने ऊपर भी काम किया है। रियल लाइफ में मैं सेल्फलेस बनने की राह पर हूं। मुझे लगता है कि ये किरदार मुझे एक बेहतर इंसान बनने में मदद कर रहा है।

मैं एक क्लासिकल डांसर भी हूं

5 साल बाद टीवी पर वापसी के सवाल पर, अभिनेत्री ने कहा कि इस दौरान वे अपने डांस के पैशन को एक्स्प्लोर कर रही थीं। उन्होंने कहा, दरअसल, एक्टर के अलावा मैं एक क्लासिकल डांसर भी हूं। इस ब्रेक के दौरान, मैंने अपनी क्लासिकल डांस की पढ़ाई पूरी की। मैंने क्लासिकल डांस की विद्या ली। इसकी भी बोर्ड एग्जाम की तरह परीक्षा होती है।

मैंने टीवी के अलावा, फिल्म में भी काम किया

बता दें, साल 2022 में दीपिका ने फिल्म टीटू अंबानी से अपना बॉलीवुड डेब्यू किया था। दोनों प्लेटफार्म पर काम करने के अनुभव को साझा करते हुए, अभिनेत्री ने आगे कहा, हर प्लेटफार्म का काम करने का तरीका अलग हो सकता है। मैंने टीवी के अलावा, फिल्म में भी काम किया है। फिल्म के बाद, मैंने वेब सीरीज का इंतजार भी किया उन्होंने आगे कहा, फिल्म में आपको कम दिन के लिए शूटिंग करनी होती है। लेकिन, उसकी तैयारी कई महीने पहले से शुरू हो जाती है। बैकएंड पर बहुत काम होता है। कई बार तो 6-7 महीने वर्कशॉप, रीडिंग में लग जाते हैं। फिल्म के बाद, मैंने वेब सीरीज का इंतजार भी किया। फाइनली मंगल लक्ष्मी जैसा शो आया। सोचा ये तो जरूर करना चाहिए क्योंकि ये बहुत सुंदर स्टोरी है। मेरी ऑडियंस मुझे इसमें बहुत पसंद करेगी।

गायक शान रेडियो नशा के लोकप्रिय शो क्रेज़ी फ़ोर टीनशोर सीज़न 7 को होस्ट करेंगे

बॉलीवुड के प्रशंसित पार्श्व गायक शान फीवर नेटवर्क द्वारा संचालित एक लोकप्रिय शो क्रेज़ी फ़ॉर किशोर के बहुप्रतीक्षित सातवें सीज़न के मेजबान के रूप में कार्यभार संभालने के लिए तैयार हैं, जो श्रोताओं को स्वर्ण युग का जश्न मनाने वाली उच्च गुणवत्ता वाली प्रोग्रामिंग की पेशकश करने की अपनी प्रतिबद्धता जारी रखता है। भारतीय सिनेमा के दिग्गज कलाकार किशोर कुमार को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। अपने करिश्माई व्यक्तित्व और संगीत उद्योग में व्यापक अनुभव के साथ, शान महान पार्श्व गायक किशोर कुमार को समर्पित प्रिय श्रद्धांजलि श्रृंखला में एक नया दृष्टिकोण लाने के लिए तैयार हैं।

किशोर कुमार, जिन्हें अक्सर भारत के महानतम मनोरंजनकर्ता के रूप में जाना जाता है, ने अपनी विशिष्ट आवाज़ और अद्वितीय प्रतिभा से संगीत उद्योग पर एक अमिट छाप छोड़ी। अपने शानदार करियर के दौरान, किशोर कुमार ने रोमांटिक गीतों से लेकर जोशीले गानों तक, कई शैलियों में अपने भावनात्मक प्रदर्शन और अविस्मरणीय गीतों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। और यह तथ्य तो सभी जानते हैं कि शान ने अपनी बहुमुखी प्रतिभा और भावपूर्ण प्रस्तुतियों के कारण दशकों तक अपनी मधुर आवाज और गतिशील मंच उपस्थिति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया है। व्यक्तिगत स्तर पर श्रोताओं से जुड़ने की उनकी क्षमता उन्हें उस शो का नेतृत्व करने के लिए एक आदर्श विकल्प बनाती है, जो किशोर कुमार के शाश्वत संगीत और पुरानी यादों का जश्न मनाता है। क्रेज़ी फ़ॉर किशोर किशोर कुमार के प्रतिष्ठित गीतों को प्रदर्शित करके और भारतीय संगीत पर उनके प्रभाव को उजागर करके उन्हें श्रद्धांजलि देता है। शो के प्रत्येक एपिसोड में किशोर कुमार के अनसुने उदाहरणों, गीतों, सामान्य ज्ञान और उनकी यादों की प्रस्तुति दी जाती है। शान के नेतृत्व में, क्रेज़ी फ़ॉर किशोर सीज़न 7 एक अविस्मरणीय संगीत अनुभव प्रदान करने का वादा करता है जो एक नए और रोमांचक तरीके से दर्शकों को आकर्षित करते हुए किशोर कुमार की विरासत का सम्मान करता है। शो की मेजबानी करने के अलावा, शान से किशोर कुमार के जीवन और करियर के बारे में अंतर्दृष्टि साझा करने की उम्मीद की जाती है। रेडियो पर क्रेजी फॉर किशोर एक ऐसा शो है जो हमेशा से मेरा पसंदीदा रहा है.. मैंने हमेशा गुप्त रूप से आशा और कामना की है कि मैं इस शो का हिस्सा बन सकूं.. इसलिए जब सीज़न की पेशकश मेरे पास आई.. तो मैंने इसे दोनों के साथ स्वीकार कर लिया। हाथ. रेडियो नशा में रोहिणी और उनकी टीम इस संपत्ति के प्रति बेहद अनुभवी और समर्पित है और बेहद उत्साहजनक भी है। इससे मुझे बहुत आत्मविश्वास मिला और वास्तव में मुझे जल्दी से आरजे टोपी पहनने में मदद मिली। और बिल्कुल, जब एकमात्र किशोर कुमार के बारे में बात करने की बात आती है.. मैं उनकी आवाज, उनके व्यक्तित्व, उनकी निजी कहानियों के बारे में बात करता रह सकता हूं, आज के संगीत और गायकों पर उनका प्रभाव है। कुल मिलाकर मैं क्रेज़ी फ़ॉर किशोर, का बिल्कुल नया होस्ट बनने के लिए बेहद उत्साहित हूं। यह शो फीवर पर भी प्रसारित किया जाएगा, जिसने हाल ही में खुद को नए लुक और पोजिशनिंग के साथ नया रूप दिया है। श्रोताओं को शो फीवर एफएम स्टेशन पर सोमवार से शुक्रवार शाम 4-5 बजे तक और रेडियो नशा पर सोमवार से शुक्रवार क्रमशः सुबह 11 बजे से दोपहर 12 बजे और रात 10-11 बजे तक सुनने को मिलेगा।

एंडरसन 700 टेस्ट विकेट लेने वाले विश्व के पहले तेज गेंदबाज बने

धर्मशाला । इंग्लैंड क्रिकेट टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने भारत के खिलाफ पांचवे क्रिकेट टेस्ट मैच के तीसरे दिन अपने 700 विकेट पूरे कर एक अहम उपलब्धि हासिल की है। इसी के साथ ही 41 साल के एंडरसन 700 टेस्ट विकेट लेने वाले विश्व के पहले तेज गेंदबाज बन गये हैं। एंडरसन ने भारत के खिलाफ खेली जा रही टेस्ट सीरीज के अंतिम मुकाबले में कुलदीप यादव को आउट करने के साथ ही ये अहम उपलब्धि हासिल की है। टेस्ट सीरीज के अंतिम मुकाबले में पहली पारी के दौरान ही उन्होंने रिकार्ड बनाया है। एंडरसन ने भारत के खिलाफ अपना 700वां विकेट हासिल कर रिकार्ड बनाया है। इस प्रकार वह सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में तीसरे नंबर पर हैं इसमें पहले दो स्थानों पर स्पिनर हैं। टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट श्रीलंका के पूर्व स्पिनर मुथैया मुरलीधरन के नाम दर्ज हैं। मुरलीधरन ने 800 विकेट लिए हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया के दिवंगत स्पिनर शेन वार्न के नाम 708 विकेट हैं और वह दूसरे नंबर पर है। इसके अलावा भारतीय टीम के दिग्गज स्पिनर अनिल कुंबले 619 विकेट लेकर चौथे नंबर पर हैं।

भारत ने पांचवे टेस्ट में इंग्लैंड को एक पारी और 64 रनों से हराया

- 4-1 से सीरीज जीती
- मैन ऑफ द सीरीज :यशस्वी जायसवाल
- मैन ऑफ द मैच : कुलदीप यादव

धर्मशाला ।

भारतीय क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड को पांचवें और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच में एक पारी और 64 रनों से हराकर पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 4-1 से जीत ली है। इस मैच में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर अपनी पहली पारी में 218 रन बनाये थे। वहीं कप्तान रोहित शर्मा और शुभमन गिल के शतकों से भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में 477 रन बनाकर 259 रनों की बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद इंग्लैंड की टीम अपनी दूसरी पारी में केवल 195 रनों पर ही सिमट गयी। अश्विन ने दूसरी पारी में पांच विकेट लेकर इंग्लैंड को समेटने में अहम भूमिका निभाई। अपने 100वें टेस्ट में अश्विन ने पहली पारी में चार जबकि दूसरी पारी में पांच विकेट लेकर कुल नौ विकेट लिए लिए। अश्विन ने दूसरी पारी में बेन डकेट, जैक क्राउले और ओली पोप को एक के बाद एक आउट कर विरोध टीम को दबाव में ला दिया इसके बाद उन्होंने कप्तान बेन स्टोक्स को बोल्ड कर विरोधी टीम की बची हुई उम्मीदें भी तोड़ दीं। इंग्लैंड की टीम की दूसरी पारी में शुरूआत खराब रही। सलामी बल्लेबाज जैक क्रॉली खाता भी नहीं खोल पाये जबकि बेन डंकेट दो रन ही बना पाये। ये अश्विन की गेंद पर आउट हुए। तेज पिच पर अश्विन की गेंदबाजी का सामना मेहमान टीम नहीं कर पायी। उसके बल्लेबाज एक के बाद एक पेवेलियन लौटने लगे। अश्विन ने ओली पोप को भी 19 रन पर अपना शिकार बनाया। अनभवी बल्लेबाज जो रूट एक छोर पर टिके रहे। इसके अलावा जॉनी बेयरस्टो ने 39 , कप्तान बेन स्टोक्स ने 2 और बेन फोक्स ने केवल 8 रन ही बनाये। अश्विवन ने सबसे अधिक पांच विकेट लिए। वहीं तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने दो खिलाड़ियों टॉम हार्टली और मार्कवुड को आउट किया। इसके बाद रवींद्र जडेजा ने शोएब बशीर को बोल्ड कर नौवां विकेट गिरा दिया। अंत में आउट होने वाले खिलाड़ी रुट रहे। उन्होंने सबसे अधिक 84 रन बनाए। भारतीय टीम इस सीरीज में केवल पहला टेस्ट ही हारी है। इसके बाद उसने लगातार तीन मैच जीते हैं। वहीं इससे पहले मैच के दूसरे दिन भारतीय टीम ने पहली पारी में 8 विकेट के नुकसान पर 473 रन से आगे खेलना शुरू किया और केवल 4 रन और बनाकर 477 रन पर आउट हो गयी। कुलदीप यादव 30 रन और जसप्रीत बुमराह 20 रन बनाकर आउट हुए। वहीं एंडरसन ने इस मैच में अपने 700 टेस्ट विकेट लेकर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। इंग्लैंड की ओर से पहली पारी में जैक क्रॉली और बेन डंकेट ने अच्छी शुरूआत की थी। दोनों ने पहले विकेट के लिए 76 रन बनाये पर डंकेट का विकेट गिरते ही इंग्लैंड के बल्लेबाज दबाव में आ गए। इसके बाद ओली पोप 11, जो रूट 26 तो बेयरस्टो 29 रन बनाकर आऊट हो गए। कप्तान बेन

स्टोक्स शून्य पर ही पेवेलियन लौट गये। बेन फोक्स ने 24 बनाये जबकि टॉम हाटली ने 6 तो मार्क वुड ने 0 बनाए। वहीं भारतीय टीम की ओर से अश्विन ने चार जबकि कुलदीप यादव ने पांच विकेट लिए। इसके बाद भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी की अच्छी शुरुआत की।

यशस्वी जयसवाल ने अर्धशतक लगाया जबकि रोहित शर्मा और शुभमन गिल ने शतक लगाये। ने अच्छी शुरूआत दी। यशस्वी 57 रन बनाकर आऊट हुए जबकि रोहित ने 103 रन वहीं शुभमन गिल ने 110 रन बनाए। इसके बाद देवदत्त पड्डिकल और सरफराज खान ने अर्धशतक लगाकर पारी को आगे बढ़ाया। सरफराज ने 56 , पड्डिकल ने 65 रन बनाए। इसके बाद रविंद्र जडेजा 15 और ध्रुव जरेल भी 15 रन बना पाये। अश्विन अपने 100 में मैच में रन नहीं बना पाये।

10 और 11 मार्च को होंगे ओलंपिक के लिए कुश्ती के क्वालीफायर मुकाबले

नई दिल्ली । पहलवानों के लिए ओलंपिक क्वालीफायर 10 और 11 मार्च को रखे गये हैं। पुरुष पहलवानों के लिए फ्रीस्टाइल और ग्रीको रोमन कुश्ती के लिए ट्रायल सोनीपत के भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) में होंगे जबकि महिला पहलवानों के लिए ये ट्रॉयल एनआईएस पटियाला में रखे गये हैं। ये ट्रायल सभी 30 भार वर्गों में होंगे। वहीं भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) का काम देख रही तदर्थ समिति ने कहा है कि एशियाई चैम्पियनशिप और ओलंपिक खेलों के आगामी क्वालीफायर के लिए टीम चयन के लिए 10 और 11 मार्च को ट्रॉयल मुकाबले सोनीपत और पटियाला में रखे गये हैं। भूपेंदर सिंह बाजवा के नेतृत्व वाली तदर्थ समिति ने कहा कि ओलंपिक भार वर्ग के विजेता पहलवान एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर (19-21 अप्रैल) और विश्व ओलंपिक क्वालीफायर (9-12 मई) में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

बीसीसीआई ने टेस्ट क्रिकेट के लिए मैच फीस बढ़ायी

मुम्बई ।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने युवा खिलाड़ियों में टेस्ट क्रिकेट की ओर आकर्षित करने के लिए टेस्ट फीस बढ़ाने की घोषणा की है। बीसीसीआई सचिन जय शाह ने कहा कि बोर्ड एक टेस्ट क्रिकेट प्रोत्साहन योजना शुरू कर रहा । इसके तहत हर सत्र में 7 से ज्यादा टेस्ट खेलने वाले खिलाड़ियों को मैच फीस के तौर पर 45 लाख रुपए दिए जाएंगे। वहीं पहले इन क्रिकेटरों को एक टेस्ट खेलने पर 15 लाख रुपए मिलते थे। ऐसे में इस नई योजना से नियमित टेस्ट खेलने वाले क्रिकेटरों को बड़ा लाभ हो सकता है। विशेष तौर पर केवल टेस्ट खेलने वाले क्रिकेटरों को इससे भारी लाभ होगा। बीसीसीआई को उम्मीद है कि इससे युवा क्रिकेटरों में टेस्ट क्रिकेट के प्रति रुझान बढ़ेगा। जय शाह ने लिखा, मुझे टेस्ट क्रिकेट प्रोत्साहन योजना की शुरुआत की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है, इसका लक्ष्य हमारे सम्मानित एथलीटों को बेहतर वित्तीय पैकेज के साथ ही स्थिरता प्रदान करना है। इस योजना के तहत अगर कोई क्रिकेटर सत्र में 4 या इससे कम टेस्ट खेलता है तो उसे 15 लाख के तय भुगतान के अतिरिक्त कुछ नहीं दिया जाएगा। चाहे वह प्लेइंग 11 में हो या न हो। वहीं अगर क्रिकेटर सत्र में 5 से 6 मुकाबले खेलता है तो अंतिम 11 में आने पर उसे 30 लाख रुपए मिलेंगे पर अगर वह अंतिम 11 में नहीं है तो 15 लाख रुपए ही मिलेंगे। इसके अलावा अगर कोई क्रिकेटर सत्र में 75 फीसदी से ज्यादा मैच तकरीबन 7 टेस्ट खेलता है तो उसे अंतिम ग्यारह में आने पर प्रति टेस्ट 45 लाख रुपए और अंतिम ग्यारह में नहीं होने पर 22.5 लाख रुपए प्रति मैच दिए जाएंगे। माना जा रहा है कि हाल में जिस प्रकार श्रेयस अय्यर, ईशान किशन सहित कुछ अन्य क्रिकेटरों ने घरेलू टूर्नामेंट की उपेक्षा करते हुए फिटनेस या कोई अन्य बहाना बनाकर खेलने से इंकार कर दिया था। उसी को देखते हुए बीसीसीआई को अचानक से ये घोषणा करनी पड़ी है। इसके बाद जय शाह ने ये भी कहा था कि राष्ट्रीय टीम में जगह हासिल करने के लिए रणजी सहित घरेलू टूर्नामेंट खेलने जरुरी हैं।

संक्षिप्त समाचार

भारत की बी टीम से इंग्लैंड को हारते देख खुशी मिली : पेन

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान टिम पेन ने कहा है कि भारत की बी टीम के हाथों जिस प्रकार इंग्लैंड की हार हुई है। उससे उन्हें काफी मजा आया है। इस सीरीज में इंग्लैंड टीम 3-1 से पीछे है। वहीं अंतिम मैच में भी वह पिछड़ती दिख रही है। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने इंग्लैंड की हार पर खुशी जताई पर अपनी ही धरती पर खेल रही भारतीय युवा टीम को बी टीम करार दिया। पेन ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि इस टीम में कई अनुभवी खिलाड़ी नहीं हैं। पेन और ब्रैड हैडिन भारत और इंग्लैंड के बीच खेली जा रही सीरीज पर बात कर रहे थे। इसमें हैडिन ने भारत की युवाओं से भरी टीम को दूसरे स्तर की बताया। साथ ही इंग्लैंड के खिलाफ जीत पर उसकी जमकर प्रशंसा की है। उनका करना था कि अनुभवी खिलाड़ियों के बिना उतरी भारतीय टीम ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। हैडिन की बात से पेन भी सहमति नजर आये। उन्होंने कहा, मैं इस बात से पूरी तरह से सहमत हूं और इस बात को अच्छे से जानता हूं कि भारत की बी टीम से हारना कैसा लगता है। यह हमारे साथ अपने ही घर पर खेलते हुए हुआ था। साथ ही कहा कि भारतीय टीम के कुछ बड़े नाम इस सीरीज से बाहर हैं जिसका फायदा इंग्लैंड को उठाना चाहिये था पर वह इसमें विफल रही। इंग्लैंड की टीम ने अब तक जैसा भी खेल दिखाया है उसे देखकर मुझे तो काफी मजा आया। वैसे भी इंग्लैंड की टीम को हारते देखने में मुझे काफी आनंद आता है।

जादरान ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा

नई दिल्ली । अफगानिस्तान के अनुभवी बल्लेबाज नूर अली जादरान ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। इसी के साथ ही इस बल्लेबाज का करियर समाप्त होगया। इस 35 साल के जादरान ने साल 2009 में स्कॉटलैंड के खिलाफ अफगानिस्तान के पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच से अपना अंतरराष्ट्रीय करियर शुरु किया था। इस मैच में उन्होंने 28 गेंद पर 45 रन बनाए थे। उन्होंने पिछले सप्ताह ही अपना अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच आयरलैंड के खिलाफ खेला था।अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने सोशल मीडिया पर लिखा कि बल्लेबाज जादरान ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने लेने का फैसला किया है। उन्होंने अफगानिस्तान की तरफ से दो टेस्ट, 51 एकदिवसीय और 23 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलते हुए कुल 1930 रन बनाए हैं। उनके नाम पर 11 अर्धशतक और एक शतक भी है। इस सलामी बल्लेबाज ने अपना पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच साल 2010 में अफगानिस्तान से खेला था। इस क्रिकेटर ने इस साल के शुरूआत में ही श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था।

दीपक चाहर को बल्लेबाजी का अभ्यास कराती दिखीं बहन मालती

नई दिल्ली ।

ऑलराउंडर दीपक चाहर अब पूरी तरह से फिट हो गये हैं और 22 मार्च से शुरु हो रहे आईपीएल 2024 में वापसी के लिए तैयार हैं। चाहर ने इसके लिए अभ्यास भी शुरु कर दिया है। उन्हें ये अभ्यास उनकी बहन मालती चाहर करा रही हैं। इसका एक वीडियो भी आया है। चाहर को इसमें मालती बल्लेबाजी का अभ्यास कराती दिख रही हैं। सीएसके को आईपीएल में अपना पहला मुकाबला अपनी घरेलू धरती पर 22 मार्च को रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) से खेलना है। यह मुकाबला एमए चिदंबरम स्टेडियम में होगा।

मालती चाहर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है। इसमें दीपक बल्लेबाजी का अभ्यास करते दिख रहे हैं। इस दौरान मालती गेंदबाजी मशीन को संभाल रही हैं। वहीं दीपक मशीन से निकलने वाली गेंद से उन्हें बल्लेबाजी अभ्यास करा रही हैं। इस वीडियो को देखकर साफ हो जाता है कि भाई बहन में शानदार बॉन्डिंग है। मालती ने वीडियो के साथ लिखा, ' मेरे साइड से यह आईपीएल 2024 के लिए तैयार है! अब सीएसके के हवाले। फैमिली प्रैक्टिस सेशन।' गौरतलब है कि दीपक चाहर पिछले कुछ समय से चोट की वजह से टीम इंडिया से बाहर रहे हैं।

आईपीएल में उनकी मौजूदगी से सीएसको को काफी लाभ मिलेगा। वह गेंदबाजी के साथ साथ निचले क्रम में तेजी से बल्लेबाजी के लिए भी जाने जाते हैं। उनकी खराब फिटनेस सबसे बड़ी समस्या रही है। इसी कारण वह टीम से अंदर बाहर होते रहे हैं। वह स्विंग गेंदबाजी के लिए जाने जाते हैं। वह टीम के लिए शुरुआती विकेट झटकने के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में वह चोट से उबरे हैं। वह पिछले कुछ समय से एनसीए में थे. जहां उन्हें फिट घोषित किया गया था।

नई चुनौतियां पेश करता है आईपीएल : विराट

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने कहा है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) एक अनोखा टूर्नामेंट है जो खिलाड़ियों के सामने नई चुनौतियां पेश करता है। इस कारण प्रशंसक भी इस कठिन टूर्नामेंट से जुड़े हुए हैं और बेताबी से इसका इंतजार करते हैं। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के लंबे समय तक कप्तान रहे विराट ने कहा है कि इसमें भाग लेने वाले खिलाड़ी द्विपक्षीय श्रृंखलाओं और आईसीसी टूर्नामेंटों में एक दूसरे के खिलाफ खेलते हैं। इसलिए उन्हें अन्य टीमों के खिलाड़ियों के साथ बात करने के पर्याप्त अवसर नहीं मिलते। आईपीएल में खेलते हुए इन खिलाड़ियों को बात करने के अवसर मिल जाते हैं। कोहली ने कहा, आईसीसी टूर्नामेंट समय-समय पर आते रहते हैं पर आईसीसी टूर्नामेंटों में भी आप अन्य खिलाड़ियों के साथ बातचीत नहीं कर पाते। लेकिन आईपीएल में आप शायद हर दूसरे या तीसरे दिन हर टीम से मिलते हैं और यही आईपीएल की खूबसूरती है। आप एक अलग शहर में एक अलग टीम के साथ अलग-अलग हालातों में खेलते हैं। हर किसी के पास अलग-अलग तरह का संकल्प होता है। इसी कारण कई बेहतरीन क्षण देखने को मिलते हैं। बनते हैं।कोहली ने कहा कि मैं आईपीएल को बिल्कुल पसंद करता हूं। आप कई नए खिलाड़ियों के साथ खेलते हैं और कई ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्हें आप लंबे समय से जानते हैं जो आपके अपने देश से नहीं हैं, जिन्हें आप अक्सर नहीं देखते हैं। यही कारण है कि हर कोई आईपीएल को इतना पसंद करता है, क्योंकि इसमें खिलाड़ियों और प्रशंसकों दोनों के बीच एक जुड़ाव है।

कुलदीप ने खेलीं स्टोक्स और बेयरस्टो से अधिक गेंदें

धर्मशाला । भारतीय टीम के स्पिनर कुलदीप यादव ने इंग्लैंड के खिलाफ 5वें टेस्ट में अच्छी बल्लेबाजी करते हुए 69 गेंदों में 30 रन बनाये। कुलदीप टीम में वापसी के बाद न केवल गेंदबाजी बल्कि बल्लेबाजी में भी अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने आखिरी 6 पारियों में 362 गेंदों को खेला। यह इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स और जॉनी बेयरस्टो की 9 पारियों से कहीं अधिक है। जी हां, बिल्कुल स्टोक्स ने पिछली 9 पारियों में 357 गेंदों का सामना किया है, जबकि बेयरस्टो सिर्फ 259 गेंद ही फेस कर सके हैं।बता दें कि भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच के तीसरे दिन अपनी पहली पारी में 477 रन बनाए भारत की ओर से निचले क्रम पर बुमराह और कुलदीप ने अच्छी बल्लेबाजी की। इंग्लैंड ने पहली पारी में 218 रन बनाए थे और इस तरह से भारत ने 259 रन की बड़ी बढ़त हासिल की। एंडरसन ने कुलदीप को 30 रन पर आउट कर अपना 700वां विकेट लिया। कुलदीप ने उप कप्तान जसप्रीत बुमराह 20 के साथ 9वें विकेट के लिए 49 रन बनाये। ऑफ स्पिनर शोएब बशीर ने बुमराह को आउट करके भारतीय पारी को समाप्त किया।

संजू सैमसन ने किया खुलासा- कैसे मिली थी राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी

कोच्चि ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 सीजन से पहले राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन सामने आए हैं। उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया कि उन्हें कैसे 2021 सीजन में कप्तानी मिली। उन्होंने फ्रैंचाइजी के साथ अपनी कप्तानी यात्रा को भी याद किया। सैमसन के नेतृत्व में राजस्थान रॉयल्स 2022 सीजन के फाइनल में पहुंचा थाज जहां उन्हें गुजरात टाइटन्स से हार मिली थी। सैमसन ने कहा कि हम दुबई में खेल रहे थे और हमारे मुख्य मालिक मनोज बडाले मेरे पास आए और पूछा कि क्या मैं टीम का नेतृत्व करने के लिए तैयार हूं। मैंने कहा- हां, मैं तैयार हूं। सैमसन पहली बार 2013 में रॉयल्स के साथ जुड़े थे। 2016 और 2017 में वह दिल्ली डेयरडेविल्स (अब दिल्ली कैपिटल्स) के साथ रहे। फिर उनकी वापसी हुई। सैमसन ने कहा कि यह इतना आसान नहीं था। मुझे ऐसा लगा जैसे मैंने पर्याप्त संख्या में मैच खेले हैं और मैंने यह जानने के लिए इस फ्रेंचाइजी में पर्याप्त समय बिताया है कि मैं वह भूमिका निभा सकता हूं, और मुझे विश्वास था कि मैं यह कर सकता है। सैमसन ने अपनी बल्लेबाजी शैली पर भी बात की। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि जब आप दुनिया के सर्वश्रेष्ठ देश में क्रिकेट खेल रहे हैं जिसकी टीम दुनिया में नंबर 1 है तो मुझे लगता है कि यहां खेलने वाले खिलाड़ियों की संख्या भी ज्यादा होगी। अगर केरल के एक लड़के को आगे आना है और राष्ट्रीय टीम में अपनी जगह पक्की करनी है तो उसे कुछ विशेष करना होगा, इसलिए मैं हमेशा विशेष बनना चाहता था। सैमसन ने कहा कि मैं हमेशा अपनी बल्लेबाजी के तरीके से अलग दिखना चाहता था। मैं सिर्फ बल्लेबाजी की अपनी शैली बनाना चाहता था और इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि यह पहली गेंद थी, मैं बस वहां जाकर छक्का मारना चाहता था। इससे मेरी मानसिकता में बदलाव आया है और मैं बस कुछ अलग करना चाहता था जैसे कि हमें छक्का लगाने के लिए 10 गेंदों का इंतजार क्यों करना पड़ता है? बता दें कि राजस्थान रॉयल्स 24 मार्च को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ अपने आईपीएल 2024 अभियान की शुरुआत करेगी।

दीप्ति के अच्छे प्रदर्शन से यूपी वॉरियर्स ने दिल्ली कैपिटल्स को हराया

बेंगलुरु। यूपी वॉरियर्स ने महिला प्रीमियर लीग (डब्लयूपीएल) क्रिकेट के एक रोमांचक मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स को एक रन से हरा दिया। यूपी को ये जीत अंतिम दो ओवरों में तीन-तीन विकेट लेकर मिली। इस मैच में दीप्ति शर्मा ने 19वें ओवर में चार गेंदों में तीन विकेट लेकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इससे पहले दीप्ति ने 48 गेंदों में ही तेजी से खेलते हुए 59 रन बना दिये। इससे यूपी की टीम निर्धारित 20 ओवर में आठ विकेट पर 138 रन बनाने में सफल रही। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली कैपिटल्स 19.5 ओवर में 137 रन ही बना पायी। मेग लैनिंग ने सबसे अधिक 60 रन बनाये। वहीं दिल्ली की ओर से दीप्ति शर्मा ने 19 रन देकर चार विकेट लिए। इस रोमांचक मुकाबले में दिल्ली को जीत के लिए अंतिम दो ओवरों में 15 रनों की जरुरत थी पर दीप्ति ने 19वें ओवर में तीन बल्लेबाजों को आउट कर उसकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली की शुरुआत अच्छी नहीं रही। साइमा ठाकोर ने शैफाली वर्मा को बोल्ड कर उसे पहला झटका दिया। वही मेग लैनिंग ने अच्छी बल्लेबाज की पर दूसरे छोड़ पर ऐलिस कैप्सी सोफी 15 रन बनाकर ही पेवेलियन लौट गयीं। डीप में आउट हो गईं। मेग ने अपना अर्धशतक पूरा किया। वहीं जेमिमा रोड्रिग्स ने भी अच्छी बल्लेबाजी की। जेस जोनासेन ने भी अंतिम ओवरों में छक्का लगाकर दबाव कम करने का प्रयास किया पर दीप्ति ने 19वें ओवर में एनाबेल सदरलैंड और अरुंधति रेड्डी के विकेट लेकर यूपी को फिर मैच में ला दिया। अंतिम ओवर में जब दिल्ली को जीत के लिए 10 रनों की जरूरत थी तब उसके बल्लेबाज शॉट लगाने के प्रयास में एक के बाद एक पेवेलियन लौट गयीं।

संक्षिप्त समाचार

स्काउट गाइड संघ के तत्वावधान में आमजन को स्वच्छता के संबंध में जागरूक करना अतिआवश्यकः सचिव वीरेंद्र शर्मा

चमकता राजस्थान। किशनगढ़(शंकर शर्मा) किशनगढ़, स्काउट गाइड संघ के सचिव वीरेंद्र शर्मा ने अवगत कराया कि आज राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड स्थानीय संघ किशनगढ़ के तत्वावधान में आयोजित स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत स्वच्छता पर आशुभाषण प्रतियोगिता का आयोजन स्काउट भवन बिहारी पोल पर किया गया जिसमे गाइड्स रेंजर स्काउट व स्काउट ने भाग लिया कार्यक्रम के अतिथि नंदसिंह राठौड़ ने स्वच्छता पर अपनी वार्ता में बाहर व अंदर की स्वच्छता यानी मन तन कर्म से भी स्वच्छ होने पर जोर दिया उन्होंने कहा घर मोहल्ला शहर गांव। आदि साफ सुथरा रखना सभी नागरिक की जिमेदारी है तथा स्काउट गाइड की सभी को जागरूक करने में सहयोग करना चाहिए कार्यक्रम में संजू खींची रेंजर लीडर प्रियंका शर्मा गाइड कैप्टन टीना कंवर गाइड कैप्टन ममता मेघवाल फ्लॉक लीडरऔर गाइड के अभिभावकों कशिश सुनीता सोनू आदि उपस्थित रहे स्थानीय संघ सचिव वीरेंद्र कुमार शर्मा ने सभी का आभार व धन्यवाद दिया और बताया आगामी दिवसों में पोस्टर निबंध रंगोली प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जाएगा।

लोकसभा आम चुनाव में पारदर्शिता का जिला निर्वाचन अधिकारी का संदेश

चमकता राजस्थान। धौलपुर !(रामदास तरुण) जिला धौलपुर में लोकसभा आम चुनाव में पारदर्शिता का हेतुः जिला निर्वाचन अधिकारी का सन्देश ×कानून व्यय की निगरानी हेतु फ्लाइंग स्कायड और स्थैतिक सर्विलांस टीम का प्रशिक्षण आयोजित धौलपुर,10 मार्च। लोकसभा आम चुनाव में निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण हेतु नियुक्त फ्लाइंग स्कॉड और स्थैतिक निगरानी दलों के प्रभारी अधिकारियों का प्रशिक्षण जिला कलेक्ट्रेट सभागार धौलपुर में आयोजित किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी निधि बी टी के निर्देशन में जिले में स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव को लेकर दिखाई जा रही प्रतिबद्धता का संदेश अधिकारियों को देते हुए प्रतिबंधित वस्तुओं के परिवहन, अवैध गतिविधि में लिप्त असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्यवाही करने संबंधी कार्यों की प्रशिक्षण में जानकारी दी गई।

जिला अग्रवाल महिला संगठन के तत्वावधान में मनिया इकाई में मनाया गया महिला दिवस

चमकता राजस्थान। धौलपुर (रामदास तरुण) जिला धौलपुर के मनिया कस्बे में जिला अग्रवाल महिला संगठन के तत्वाधान में वृद्ध महिलाएं एवं प्रतिभाशाली बालिकाओं को सम्मानित किया गया इसकी संयोजक प्रियंका बंसल सहसंयोजक राखी बंसल ने बताया इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि अखिल भारतीय अग्रवाल महिला सम्मेलन पूर्वी राजस्थान की प्रदेश अध्यक्ष कमलेश गर्ग विशिष्ट अतिथि जिला अध्यक्ष प्रीति अग्रवाल विशिष्ट अतिथि शोभना बोह-रा सभी अतिथियों और महिलाओं का शाल व फूल माला पहनाकर स्वागत सम्मान किया गया,इस कार्यक्रम में जिला महामंत्री रजनी गोयल जिला उपाध्यक्ष ऊषा मित्तल डॉ. सीमा गर्ग जिला मंत्री नेहा मंगल जिला संगठन मंत्री पूनम मित्तल निरीक्षक कमलेश सिंघल शहर इकाई अध्यक्ष इंदिरा जिंदल जयपुर के अध्यक्ष अंजना गर्ग तसीमो इकाई अध्यक्ष प्रीति मित्तल सरानी खेड़ा इकाई अध्यक्ष सीमा सिंघल विमल मित्तल आशा मंगल सरिता सिंघल मीनाक्षी गुप्ता अर्चना गर्ग सरिता गोयल गुंजन गोयल अलका सिंघल आरती गर्ग बबीता गोयल मिथिलेश सिंघल सुनीता गोयल।

मुख्यमंत्री के प्रयासों से राज्य के विकास को नयी गति मिलेगी : उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी

चमकता राजस्थान

जयपुर। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा की उपस्थिति में आर ई सी एवं वित्त विभाग के मध्य रविवार को एम ओ यू हुआ हस्ताक्षरित किया गया है।

उप मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री दिया कुमारी ने बताया कि एम ओ यू द्वारा दोनो पक्षो के मध्य यह सैद्धान्तिक सहमति बनी है कि आर ई सी लिमिटेड राजस्थान सरकार के विभिन्न विभागों / उपक्रमों/ संस्थाओं/ योजनाओं के लिए प्रतिवर्ष लगभग 20,000 करोड़ के ऋण उपलब्ध कराएगा।

उप मुख्यमंत्री ने बताया कि राजस्थान सरकार अवसंरचना (ल्ला१२३१४- ३४१) क्षेत्र में अत्यधिक निवेश की योजना बना रही है इस उद्देश्य से कि राजस्थान प्रदेश अमृतकाल में वर्ष 2047 तक एक विकसित राज्य बन सके।

वर्तमान मे फ्ए्उ लिमिटेड के पास राजस्थान सरकार के अधीन एफ्लुढ, जल जीवन मिशन (खखट), कृषक कल्याल कोष से संबद्ध विभिन्न परियोजनाओं के लिए लगभग 7000-8000 करोड के प्रस्ताव विचाराधीन है। यह टङ्गव दोनो पक्षो के मध्य एक सांकेतिक सहमति है जबकि ऋणों की विस्तृत शर्तें अवधि एवं राशि प्रत्येक ऋण स्वीकृति के माध्यम से तय होगी जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न विभागों / उपक्रमों / संस्थाओं / योजनाओं द्वारा प्रस्तुत किये गये ऋण प्रस्तावों के विरूद्ध जारी की जाएगी। आर ई सी लिमिटेड आर बी आई के साथ पंजीकृत एन बी एफ सी है जो कि पूर्व में सिर्फ विद्युत क्षेत्र से जुडे उपक्रमों को ही ऋण / वित्तीय संसाधन उपलब्ध करवाती थी परन्तु अब आर ई सी लिमिटेड विद्युत क्षेत्र के अतिरिक्त अन्य अवसंरचना क्षेत्रों से संबद्ध परियोजनाओं यथा मे-ट्रो, सड़क एवं राजमार्ग, एयरपोर्ट, क्ळ आधारभूत संरचना, स्टील, ऑयल रिफाइनरी, बंदरगाह एवं जल राजमार्ग, लॉजिस्टिक्स- एश, फाइबर आप्टिक्स दूरसंचार एवं स्वास्थ्य क्षेत्रो में भी ऋण /वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराती है। चूंकि इस प्रस्तावित टङ्गव से राजस्थान के अवसंरचना क्षेत्र तथा बिजली, पानी, सिंचाई, मेट्रो, परिवहन एवं कृषि से संबद्ध परियोजनाओं में तेजी से वृद्धि होकर राज्य आर्थिक दृष्टि से सम्पन्न प्रदेश बनने की ओर अग्रसर होगा।

आवासन आयुक्त इंद्रजीत सिंह ने जनसुनवाई कार्यक्रम में लगभग 250 फरियादियों की कि सुनवाई

चमकता राजस्थान

जयपुर। प्रताप नगर के आवंटियों के चेहरे उस वक्त खिल गए जब उनके आशियाने के मालिकाना हक का इंतजार खत्म हुआ।आवासन आयुक्त श्री इंद्रजीत सिंह ने जनसुनवाई के दौरान मण्डल नियमों के तहत पट्टे जारी करने की मंजूरी प्रदान की है। जिसके बाद अब वहां के बाशिंदों को पट्टे के रूप में अपने आशियाने का मालिकाना हक मिल सकेगा। जनसुनवाई के दौरान आवेदकों के बैठने व जलपान की व्यवस्था भी की गई थी जिस पर आवेदकों ने संतोष व्यक्त किया।

जनभावना के अनुरूप पारदर्शी एवं संवेदनशील वातावरण में आमजन की परिवेदनाओं एवं समस्याओं की सुनवाई एवं त्वरित समाधान के लिए वृत्त कार्यालय प्रताप नगर में रविवार को जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसमें आवासन आयुक्त सहित अन्य अधिकारियों ने लगभग 250 फरियादियों के परिवाद सुने, जिनमें से 90 प्रकरणों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। अन्य प्रकरणों के 7 दिवस में निस्तारण के लिए आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये।

गौरतलब है की जनसुनवाई में बकाया राशि के प्रकरण,आवंटन पत्र जारी करना, कब्जा पत्र जारी करना, रिफ़ंड, अदेय प्रमाण पत्र,पंजीयन पश्चात नाम हस्तांतरण, मृत्यु पश्चात नाम हस्तांतरण,पंजीयन प्रपत्र जारी करना, पट्टा जारी करने, एकमुश्त लीज़ मुक्ति प्रमाण पत्र जारी करना, मकानों के नियमितीकरण, कॉलोनियो का नियमन, मण्डल की भूमि से अतिक्रमण हटाने आदि समस्यों का निस्तारण भी किया गया।

जनसुनवाई में आवासन मण्डल सचिव श्री प्रवीण कुमार अग्रवाल, मुख्य अभियंता श्री मनोज गुप्ता , उप आवासन आयुक्त श्री भगवान सहाय, विशेषाधिकारी श्री मति प्रियंका राठौर सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

नौ कुंडीय गायत्री महायज्ञ हुआ आयोजित

चमकता राजस्थान। जयपुर। वैशाली नगर स्थित अर्पित नगर बस्ती की बंजारा बस्ती में नौ कुंडीय गायत्री महायज्ञ आयोजित किया गया। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार की शाखा गायत्री शक्तिपीठ ब्रह्मपुरी और गायत्री शक्तिपीठ कालवाड़ के विद्वानों की टोली ने विधिवत पूजन के साथ हवन करवाया। मुख्य यजमान दीपक अग्रवाल ने सप्तनीक दीप प्रज्वलन कर मां गायत्री का पूजन किया। व्यास पीठ से महेंद्र कुमार और उमाशंकर खंडेलवाल ने वेद माता गायत्री, गुरू सत्ता और प्रमुख देवी देवताओं का भाव भरा आह्वान करवाया। अग्नि प्रज्वलन कर गायत्री और महामृत्युंजय मंत्र से विश्व कल्याण की कामना के साथ आहुतियां अर्पित करवाई। यज्ञ की पूर्णाहुति में लोगों ने नशा छोड़ने और बस्ती में सफाई अभियान चलाने का संकल्प लिया। आयोजन स्थल पर नशा मु-क्ति प्रदर्शनी भी लगाई गई। घुमंतू जाति उत्थान न्यास के जयपुर महानगर संयोजक राकेश कुमार शर्मा ने कहा कि घुमंतु समाज देश का कर्म योगी समाज है जो अभावों में भी खुश रह कर दूसरों को प्रेरणा दे रहा है। घुमंतु समाज बच्चों को शिक्षित करे और युवाओं को स्वरोजगार का प्रशिक्षण देकर आत्म निर्भर बनाए। इस मौके पर शेखावाटी हॉस्पिटल के कार्यकारी निदेशक डॉ एस पी यादव के निर्देशन में निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में लोगों ने चिकित्सा परामर्श लिया।

मुख्य अतिथि एडीशनल कमिश्नर एफडीए पंकज ओझा थे। उन्होंने कहा कि विश्व में सनातन धर्म तेजी से फैल रहा है। क्योंकि सनातन धर्म विश्व कल्याण की कामना करता है। घुमंतू जाति को मुख्यधारा में लाने के लिए इस तरह के कार्यक्रम मील का पत्थर साबित होंगे। विशिष्ट अतिथि डॉ के के शर्मा, सी एम सारस्वत, डॉ आशीष गौड़ , डॉ अलका गौड़ भैंरु राम और इंडियन फार्मासिस्ट एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष सर्वेश्वर शर्मा थे। गायत्री चेतना केंद्र मुरलीपुरा के मनोज पारीक ने सभी अतिथियों का दुपट्टा पहनाकर और साहित्य भेंट कर सम्मानित किया। सेवानिवृत आईएएस अधिकारी दीपक नंदी की ओर से उपस्थित सभी लोगों को गायत्री परिवार की ओर से गायत्री चालीसा, लॉकेट, पुस्तक, देव स्थापना चित्र भेंट किया गया।

घुमंतू कार्य के क्षेत्र प्रमुख महावीर शर्मा ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन शांतिपाठ के साथ हुआ। क़रीब चार सौ लोगो ने प्रसादी ग्रहण की।

रावणा राजपूत समाज ने लोक सभा चुनावों में भाजपा से की टिकट देने की माँग की

चमकता राजस्थान

जयपुर। रावणा राजपूत समाज ने विजया राहटकर(सहप्रभारी, भारतीय जनता पार्टी, राजस्थान) को एक ज्ञापन देकर कहा कि राजस्थान में साठ लाख के लगभग रावणा राजपूत समाज की जनसंख्या है और रावणा राजपूत समाज का अधिकतम झुकाव हमेशा भाजपा की तरफ रहा है। रावणा राजपूत समाज ओबीसी का अत्यन्त पिछड़ा समाज है और शासन प्रशासन में भागीदारी नगण्य है। राजस्थान की 15 से ज्यादा लोकसभा क्षेत्र में यह समाज निर्णायक की भूमिका में है। लोकसभा क्षेत्र बाड़मेर-जैसलमेर, जोधपुर, पाली, जालोर-सिरोही, नागौर, अजमेर, भीलवाड़ा, राजसमन्द, चित्तौड़गढ़, कोटा-बूंदी, जयपुर, जयपुर ग्रामीण, बीकानेर, सीकर, चूरू, झुंझनू आदि में हार जीत के अन्तर से ज्यादा वोट है तो शेष लोकसभा क्षेत्रो में भी बढ़िया उपस्थिति है लेकिन इतनी बड़ी संख्या वाले समाज का प्रदेश संगठन में कोई प्रतिनिधित्व नही होने के साथ साथ सरकार में भी कोई प्रतिनिधित्व नही है। हमारे समाज के प्रदेश अध्यक्ष श्री रणजीत सिंह सोडाला को 2023 के विधानसभा चुनाव में प्रदेश मन्त्री बनाकर अब हटा दिया है। जिससे समाज में गलत सन्देश गया है और भाजपा द्वारा समाज की इस अनदेखी से राजस्थान का रावणा राजपूत समाज नाराज है। व जल्दी ही इस विषय पर प्रदेश प्रतिनिधियो की बैठक आहुत की जा रही है।

अवेयरनेस ड्राइवः 'स्ट्राइव टू रिवाइव रामगढ़ लेक' का हुआ आयोजन

अवेयरनेस ड्राइव को उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

चमकता राजस्थान

जयपुर। प्रतिष्ठित रामगढ़ झील के पुनरुद्धार के लिए रविवार को सिटी पैलेस, जयपुर से अवेयरनेस ड्राइव का आयोजन किया गया। राजपूताना जीप क्लब की ओर से 20 से अधिक विंटेज जीपें इस ड्राइव में शामिल हुईं। इन जीपों को राजस्थान की उप मुख्यमंत्री, दिया कुमारी द्वारा सिटी पैलेस के चांदनी चौक से हरी झंडी दिखाकर रामगढ़ झील के लिए रवाना किया गया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री, दिया कुमारी ने कहा कि ₹रामगढ़ बांध को पुनर्जीवित करने का प्रयास सराहनीय है और जयपुर में भविष्य की पानी की जरूरत के लिए भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने आगे कहा कि दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग की तरह जयपुर जीरो-वॉटर सिटी ना बने, इसके लिए हम सभी को प्रयास करने होंगे। राज्य सरकार इसके लिए लगातार कार्य भी कर रही है। इस धरोहर को बचाने की हम सभी की जिम्मेदारी है, इस बांध से क्षेत्र में जल संकट की समस्या भी दूर होगी एवं इस विरासत का अस्तित्व भी बना रहेगा।₹

● 100 से अधिक आर्टिस्ट्स और फोटोग्राफर्स ने लिया हिस्सा

यह आयोजन 'स्ट्राइव टू रिवाइव रामगढ़ लेक' शहर के नागरिकों के एक समूह द्वारा शुरू की गई एक पहल है, जिसका उद्देश्य झील के सांस्कृतिक, पारिस्थितिक और पर्यावरणीय मूल्य को पुनर्जीवित करने के लिए प्रयास करना है। यह पहल द इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड (आईएचसीएल) के 6 होटलों द्वारा समर्थित है, जिसमें रामगढ़ लॉज भी शामिल है। ड्राइव के तहत जीपें सिटी पैलेस से शुरू होकर सिसौदिया रानी का बाग, जामडोली, नायला गांव होते हुए रामगढ़ झील तक पहुंची। वहां से सभी जीपों ने रामगढ़ झील के निकट जलाशय (रिवर बेसिन) में करीब 14 किलो मीटर तक ड्राइव किया।

इस आयोजन की मुख्य विशेषता यह भी रही कि 100 से अधिक आर्टिस्ट्स और फोटोग्राफर्स ने रामगढ़ झील को उसकी वर्तमान स्थिति में चित्रित किया और तस्वीरों को अपने कैमरे में कैद कर जागरूकता फैलाने का प्रयास किया। इस अवसर पर आईजी, सीआरपीएफ, राजस्थान, विक्रम सेहगल ने कलाकारों और फोटोग्राफर्स से संवाद किया। एरिया डायरेक्टर - ऑपरेशंस (आईएचसीएल) और जीएम - रामबाग पैलेस, जयपुर, अशोक एस राठौड़ भी इस दौरान उपस्थित रहे। इस कलात्मक प्रयासों के अतिरिक्त, आईएचसीएल होटल्स द्वारा रामगढ़ झील क्षेत्र में 'बैलूनिंग' गतिविधि का भी आयोजन किया गया, जिसने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को रोमांचक अनुभव प्रदान किया। इस पहल का उद्देश्य वनस्पतियों, जीवों और ऐतिहासिक वॉटर चैनल्स का पुनरुद्धार करना है, साथ ही इसकी पर्यटन क्षमता को भी बढ़ाना है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान, मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929